E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -154 | प्रयागराज, मंगलवार 2 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

एससीओ में पाकिस्तानी पीएम की मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा, मेंबर देश बोले- आतंकियों को सजा दिलाना जरूरी

बीजिंग। चीन में एससीओ समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है।इस दौरान पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओ के घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी। साथ ही इस पर साइन करने से इनकार कर दिया था।इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन दौरे के आज आखिरी एससीओ की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को दुनिया के लिए खतरा बताया। उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए इसे आतंकवाद का सबसे बुरा रूप बताया। मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद को पिछले चार दशकों से झेल रहा है। पीएम ने सवाल उठाया कि कुछ देशों का आतंकवाद को खुला समर्थन कैसे स्वीकार किया जा रहा है। चीन में एससीओ समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है। इस दौरान पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओ के घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी। साथ ही इस पर साइन करने से इनकार कर दिया था। मोदी ने आतंकवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि आतंकवाद पर किसी भी तरह का दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा- 'यह हमला मानवता में

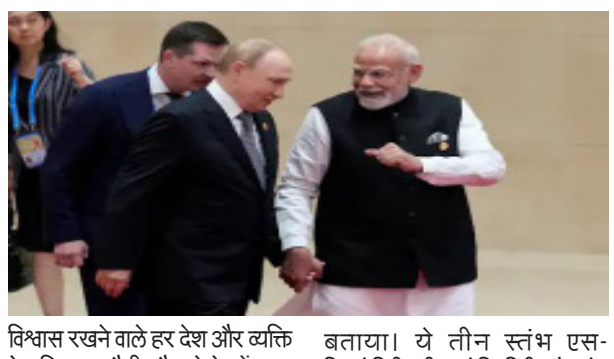

विश्वास रखने वाले हर देश और व्यक्ति के लिए चुनौती है। ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल है कि क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद को दिया जा रहा खुला समर्थन स्वीकार किया जा सकता है। भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। हाल ही में हमने पहलगाम में आतंकवाद का सबसे बुरा रूप देखा। मैं इस दुख की घड़ी में हमारे साथ खड़े मित्र देश के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी देश के विकास का आधार हैं। लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियां हैं। आतंकवाद सिर्फ एक देश की सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है। कोई भी देश, कोई भी समाज, कोई भी नागरिक इससे खुद को सुरक्षित नहीं मान सकता। मुझे इस सम्मेलन में शामिल होकर खुशी हो रही है। मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग का शानदार स्वागत के लिए आभार व्यक्त करता हूं। आज उज्बेकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस है, मैं उन्हें भी बधाई देता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने एससीओ में एक सकारात्मक भूमिका निभाई है। उन्होंने संगठन के लिए भारत की सोच और नीति को तीन स्तंभों पर आधारित बताया। ये तीन स्तंभ एस- सिक्योरिटी, सी- कनेक्टिविटी और ओ- अपॉर्चुनिटी है। एससीओ बैठक को संबोधित करते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि यह संगठन आतंकवाद, अलगाववाद , उग्रवाद के खिलाफ है। जिनपिंग ने कहा कि चीन एससीओ को आगे ले जाने का काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक नीति में धमकाना नामंजूर है।प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एससीओ के मंच पर एक साथ नजर आए। तीनों नेता आपस में बात करते देखे गए। इस दौरान तीन देशों की ट्रायो डिप्लोमेसी देखने को मिली। एससीओ समिट 6 वजहों से खास- 1. गलवान झड़प के बाद मोदी का पहला चीन दौराः 5 साल पहले भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प के बाद यह पहला मौका है जब मोदी चीन पहुंचे हैं। इस वजह से पूरी दुनिया की नजर इस समिट पर है। 2. ट्रम्प का एससीओ देशों पर हाई टैरिफः ट्रम्प ने भारत (50फीसदी), चीन (30फीसदी), कजाकिस्तान (25फीसदी) समेत बाकी एससीओ देशों पर भी हाई टैरिफ लगाया है। ऐसे में यह उन देशों के लिए अहम है जो अमेरिकी दबाव के खिलाफ साझा मंच पर खड़े होने की कोशिश कर रहे हैं। 3. अमेरिका की लीडरशिप को चुनौतीः जिनपिंग इस समिट को अमेरिका के नेतृत्व वाले ग्लोबल ऑर्डर का विकल्प पेश करने का मंच बनाना चाहते हैं। चीन यह दिखाना चाहता है कि वह रूस, भारत, ईरान जैसे देशों के साथ मिलकर ऑप्शनल पावर बन सकता है। 4. भारत का एजेंडा- आतंकवाद पर फोकसः जून 2025 में हुई एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने जॉइंट स्टेटमेंट पर दस्तखत करने से इनकार कर दिया था। दरअसल, उसमें पहलगाम आतंकी हमले का कोई जिक्र नहीं था। अब मुख्य मीटिंग में भारत, आतंकवाद पर चर्चा और समर्थन जुटाने की कोशिश करेगा। पाकिस्तान की मौजूदगी में यह मुद्दा छाया रहेगा। 5. 20 से ज्यादा देशों की मौजूदगीः इस बार समिट में सिर्फ एससीओ सदस्य ही नहीं, बल्कि ऑब्जर्वर और पार्टनर देशों को मिलाकर 20 से ज्यादा देशों के नेता हिस्सा ले रहे हैं। 6. भारत-चीन में रिश्ते बेहतर हुएः गलवान के बाद पहली बार सीमा और व्यापार पर कुछ नरमी दिखी है। सीधी उड़ानें शुरू हुईं, बॉर्डर ट्रेड पर बातचीत हुई, कैलाश मानसरोवर यात्रा बहाल हुई।विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने रविवार को पीएम मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात का डिटेल ब्योरा दिया। यह पिछले एक साल में दोनों नेताओं की दूसरी मुलाकात थी।

19 किलो वाला गैस सिलेंडर रु51.50 तक सस्ता,सिल्वर ज्वेलरी पर हॉलमार्किंग लागू, 7 बड़े बदलाव..

नयी दिल्ली। सितंबर में 7 बड़े बदलाव हो रहे हैं, जो सीधे आपसे जुड़े हैं। आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रु51.50 तक सस्ता हो गया है। वहीं, सोने के बाद अब सरकार चांदी के गहनों पर भी हॉलमार्किंग 1 सितंबर से लागू कर रही है। इधर, कॉमर्शियल प्लेन में इस्तेमाल होने वाले एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमत 1,308.41 रुपए तक घट गई है। इससे हवाई सफर सस्ता हो सकता है। **(आधुनिक समाचार नेटवर्क)** सितंबर में होने वाले 7 बड़े बदलाव बता रहा- 1. गैस सिलेंडर सस्ताः कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम रु51.50 तक घटे- आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रु51.50 तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 51.50 रुपए घटकर रु1580 हो गई है। पहले ये रु1631.50 में मिल रहा था। वहीं कोलकाता में ये अब 50.50 रुपए सस्ता होकर 1684 रुपए में मिलेगा।

2. सिल्वर ज्वेलरी हॉलमार्किंगः चांदी के गहनों के लिए छह शुद्धता ग्रेड तय किए- भारतीय मानक ब्यूरो ने घोषणा की है कि सोने की तरह ही 1 सितंबर से चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग की जाएगी। ये गुणवत्ता नियंत्रण में एक बड़ा कदम है। इस कदम का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना है। हॉलमार्किंग से शुद्धता की गारंटी मिलती है। हॉलमार्क साबित करता है कि ज्वेलरी में दी गई चांदी कितनी शुद्ध है। इससे ग्राहक का भरोसा बढ़ता है। स्वैच्छिक लागू करनाः 1 सितंबर से चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक होगी, जैसा कि पहले सोने के लिए स्वैच्छिक लागू किया गया था। शुद्धता के ग्रेडः बीआईएस ने चांदी के गहनों के लिए छह शुद्धता ग्रेड तय किए हैंः 800, 835, 900, 925, 970, और 990। हॉलमार्किंग प्रक्रियाः हर गहने को एक 6-अंकीय एचयूआईडी मिलेगा, जो इसकी प्रामाणिकता और शुद्धता को

दर्शाएगा। कंज्यूमर प्रोटेक्शनः ग्राहक बीआईएस केयर एप के 'वैरीफाई एचयूआईडी' फीचर का इस्तेमाल करके हॉलमार्क किए गए गहनों की प्रामाणिकता की जांच कर सकते हैं।

3. इनकम टैक्स डेडलाइनः 15 सितंबर तक फाइल करना होगा टैक्स- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर, 2025 है। मई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और प्रोफेशनल बॉडीज की बार-बार मांग के बाद इस डेडलाइन को 31 जुलाई से बढ़ाया गया था। वहीं जिन टैक्सपेयर्स के खातों का ऑडिट जरूरी है, उन्हें अभी भी 30 सितंबर, 2025 तक रिटर्न दाखिल करना होगा, क्योंकि इस डेडलाइन में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

4. एसबीआई क्रेडिट कार्डः कुछ खास ट्रांजैक्शंस पर रिवॉर्ड पॉइंट नहीं मिलेंगे- 1 सितंबर से एसबीआई कार्ड अपने रिवॉर्ड पॉइंट्स प्रोग्राम में बदलाव कर रहा है। कार्ड होल्डर्स को अब डिजिटल गेमिंग, सरकारी वेबसाइट्स और कुछ खास मर्चेंट्स के ट्रांजैक्शन पर रिवॉर्ड पॉइंट्स नहीं मिलेंगे। इससे लाखों यूजर्स पर असर पड़ सकता है।

5. पोस्ट ऑफिसः रजिस्टर्ड पोस्ट सेवाओं को स्पीड पोस्ट के साथ मिला?या - इंडिया पोस्ट ने 1 सितंबर, 2025 से रजिस्टर्ड पोस्ट सेवाओं को स्पीड पोस्ट के साथ मिला दिया है। अब सभी रजिस्टर्ड मेल स्पीड पोस्ट के जरिए डिलीवर होंगे और अलग रजिस्टर्ड पोस्ट की श्रेणी खत्म हो जाएगी।

6. यूनिफाइड पेंशन स्कीमः 30 सिंतबर तक स्विच करने का आखिरी मौका- नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के तहत आने वाले केंद्रीय कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) चुनने की आखिरी तारीख 30 सितंबर है। पहले जून की डेडलाइन थी, लेकिन कम रिस्पॉन्स की वजह से इसे बढ़ाया गया। यूपीएस एक पेंशन सिस्टम है, जो एनपीएस के तहत आने वाले केंद्रीय कर्मचारियों के लिए शुरू किया गया है।

7. एविएशन टर्बाइन फ्यूल सस्ताः एयर टिकट सस्ता हो सकता है-ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दिल्ली में एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एटीएफ के दाम 1,308.41 रुपए प्रति किलोलीटर (1000ली.) घटाकर 90,713.52 प्रति 1000ली. कर दिए है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर फ्लाइट के किराए पर हो सकता है। ऐसे में आने वाले समय में एयर टिकट सस्ता हो सकता है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की जीडीपी ग्रोथ सालाना आधार पर 6.5फीसदी से बढ़कर 7.8फीसदी पर पहुंच गई है। ये पिछली 5 तिमाही में सबसे ज्यादा है। मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और एग्रीकल्चर सेक्टर के बेहतर परफॉर्मेंस की वजह से जीडीपी में ये उछाल आया है। इससे पहले 31 जुलाई को भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया। उन्होंने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या।

पटना में पदयात्रा का आखिरी दिन,राहुल-तेजस्वी गांधी मैदान पहुंचे,महागठबंधन के कार्यकर्ताओं की भीड़

पटना। बिहार में राहुल की 'वोटर अधिकार यात्रा' का आज पटना में समापन हो रहा है। पदयात्रा के लिए राहुल गांधी, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव, माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य गांधी मैदान में मौजूद हैं। गांधी मैदान से शुरू होकर पदयात्रा 4किमी दूर पटना हाईकोर्ट स्थित अंबेडकर मूर्ति के पास खत्म होगी। इस पदयात्रा का नाम 'गांधी से अंबेडकर' रखा गया है। राहुल गांधी दिल्ली से पटना पहुंचे चुके हैं, वो गांधी मैदान के लिए निकले हैं। इधर, तेजस्वी भी आवास से गांधी मैदान जा रहे हैं। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा, 'लोकतंत्र-संविधान को खत्म करने वालों को करारा जवाब मिलेगा।' कार्यकर्ताओं के साथ गांधी मैदान जा रहे माले नेता दीपांकर भट्?टाचार्य ने कहा, 'आज यात्रा का समापन है, लेकिन एक बस एक पड़ाव है। वोटर्स के अधिकार के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी।' आज की पदयात्रा में टीएमसी के सांसद यूसुफ पठान, शिवसेना की तरफ से संजय राउत, एनसीपी से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले, केसी वेणुगोपाल, भूपेश बघेल, रेवंत रेड्डी, अशोक गहलोत, झारखंड सीएम हेमंत सोरेन, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी शिव कुमार के साथ-

साथ इंडि गठबंधन के सभी घटक दलों के बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। पदयात्रा को लेकर गांधी मैदान में स्टेज बनाया गया है। महागठबंधन दलों के करीब 20 हजार कार्यकर्ताओं की गांधी मैदान में भीड़ है। 17 अगस्त से बिहार में वोट अधिकार यात्रा की शुरुआत हुई थी। सासाराम के बियाडा ग्राउंड से शुरू होकर पटना में आज समापन होगा। महागठबंधन की यह वोट अधिकार यात्रा बिहार के लगभग 23 जिलों से होकर गुजरी है। इस यात्रा के दौरान 3 दिन ब्रेक लिया गया। पहले दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद रहे। फिर यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत इंडिया अलायंस के अन्य बड़े नेता मौजूद रहे।पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर कहा, 'बिहार ने नई करवट ले ली है। बिहार में परिवर्तन की आवाज बुलंद है। जब तक राहुल गांधी हैं, तब तक संविधान सुरक्षित है, लोकतंत्र सुरक्षित है।'बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर कहा, 'कांग्रेस पार्टी और महागठबंधन को देश के लोगों को बताना चाहिए और उनसे माफी भी मांगनी चाहिए कि इस देश में लगभग 100 सरकारों को कांग्रेस पार्टी ने बर्खास्त किया, जे.पी. आंदोलन के तहत देश के सभी बड़े नेताओं को जेल में बंद किया। लोकतंत्र का हत्यारा कौन है, यह पूरा देश जानता है।

गडकरी बोले- धर्म के काम से मंत्री-नेताओं को दूर रखें-जहां घुसते हैं, आग लगाते हैं,धर्म की आड़ में राजनीति समाज के लिए नुकसानदायक

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को

लोगों से अपील की कि वे धर्म-काज से मंत्री-नेताओं को दूर रखें। धर्म की आड़ में राजनीति समाज के लिए नुकसानदायक है। गडकरी नागपुर में महानुभाव पंथ के सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राजनीतिज्ञ जहां घुसते हैं, आग लगाए बिना नहीं रहते। सत्ता के हाथ में धर्म को देंगे तो हानि ही होगी। गडकरी ने कहा कि धर्म कार्य, समाज कार्य और राजनीति कार्य अलग-अलग हैं। धर्म व्यक्तिगत श्रद्धा का विषय है। कुछ राजनीतिज्ञ इसका इस्तेमाल करते हैं। इससे विकास और रोजगार का विषय दोयम दर्जे का हो जाता है।गडकरी ने कहा कि महानुभाव पंथ के संस्थापक चक्रधर स्वामी की शिक्षाएं सभी के जीवन के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने बताया कि व्यक्ति में बदलाव उसके संस्कारों से आता है। चक्रधर स्वामी ने सत्य, अहिंसा, शांति, मानवता और समानता के मूल्य सिखाए। उन्होंने कहा कि जीवन में सत्य का पालन करना चाहिए और किसी को दुख नहीं पहुंचाना चाहिए। गडकरी ने समाज में ईमानदारी, विश्वसनीयता और समर्पण जैसे मूल्यों को बेहद जरूरी बताया।गडकरी की 3 बड़ी बातें- 1. बोलना आसान, करना कठिन गडकरी ने कहा कि बोलना आसान है, करना कठिन है। मैं अधिकारी नहीं हूं, लेकिन मुझे अनुभव है कि जिस क्षेत्र में मैं काम करता हूं, वहां मन से सच बोलने की मनाही है। 2. जो अच्छा मूर्ख बनाता उतना अच्छा नेता-केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजनीति में हौसे, नवसे, गवसे यानी शौक से, नए उत्साह से और आनंदपूर्वक काम करने वाले लोग हैं। हालांकि, जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। 3. शॉर्टकट से मंजिल अधूरी रह जाती- गडकरी ने कहा कि कोई चीज पाने के लिए शॉर्टकट होता है। जैसे लाल सिग्नल तोड़ना या छलांग लगाना। लेकिन एक दार्शनिक ने कहा है कि शॉर्टकट कट यू शॉर्ट यानी शॉर्टकट लेने से मंजिल जल्दी नहीं, बल्कि अधूरी रह जाती है।

अफगानिस्तान- 6.3 तीव्रता का भूकंप,250 की मौत,500 से ज्यादा घायल,पाकिस्तान तक झटके महसूस हुए

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान में रविवार रात 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी तीव्रता 6 मापी गई। आधुनिक समाचार नेटवर्क द्वारा खबर लिखे जाने तक अब तक कम से कम 250 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हैं। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। जलालाबाद की आबादी करीब दो लाख है और यह राजधानी काबुल से सड़क मार्ग से 100 मील से भी कम दूरी पर है। रातभर शहर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। NYT की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि भूकंप से देश के कुछ पूर्वी प्रांतों में गंभीर जान-माल का नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने ज्यादा डिटेल शेयर नहीं किया है। अल जजीरा के मुताबिक भूकंप का असर पड़ोसी देश के एक बड़े इलाके में भी महसूस किया गया, जिसमें खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत भी शामिल हैं।इससे पहले अफगानिस्तान में 7 अक्टूबर 2023 को विनाशकारी भूकंप आया था। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में 4 हजार मौतों का दावा किया था, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 1500 मौतों की पुष्टि की थी। वहीं 2022 में पूर्वी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें लगभग 1,000 लोग मारे गए थे और हजारों लोग घायल हुए थे। अफगानिस्तान में ताकतवर भूकंपों का इतिहास रहा है। भूकंप के लिहाज से हिंदूकुश पर्वतमाला एक्टिव माना जाती है, जहां हर साल भूकंप आते हैं। अफगानिस्तान, भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स के बीच में स्थित है। ये फॉल्ट लाइन अफगानिस्तान के हेरात तक जाती है। प्लेट्स में हलचल होने पर भूकंप आता है।

गंगा में नहाने गए 5 किशोर डूबे,कन्हईपुर गंगा में चरवाहों ने 4 को बचाया, 17 साल के लड़के की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के कन्हईपुर घाट पर रविवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। गंगा में नहाने

गए पांच किशोर डूबने लगे। वहां मौजूद चरवाहों ने चार को बचा लिया। 17 वर्षीय मोहम्मद अयाज की मौत हो गई। प्रीतमनगर निवासी रियाज अहमद का इकलौता बेटा मोहम्मद अयाज क्रिकेट खेलने के बहाने घर से निकला था। वह अपने दोस्त देवांश दुबे, कार्तिक, अभयराज और यश के साथ कन्हईपुर घाट पहुंचा। सभी नहाने के लिए गंगा में उतरे और डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों की आवाज सुनकर पास में जानवर चरा रहे चरवाहे तुरंत मदद के लिए पहुंचे। उन्होंने गंगा में कूदकर चार किशोरों को बचा लिया। अयाज गहरे पानी में समा गया। धूमनगंज पुलिस ने गोताखोरों की मदद से अयाज का शव घाट के पास से बरामद किया। अयाज की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। मुंबई में रह रहे पिता रियाज अहमद प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। मोहल्ले में शोक का माहौल है। दोस्तों में भी हादसे का डर बना हुआ है।

2 ग्रहण के साथ दुर्लभ-संयोग में 7 सितंबर से शुरू हो रहा पितृपक्ष,शुरुवात चंद्र ग्रहण तो समापन सूर्य ग्रहण

प्रयागराज। पितृपक्ष की शुरुआत दुर्लभ संयोग में चंद्र ग्रहण के साथ 7 सितंबर को होगी। अमावस्या 21 सितंबर को यह समाप्त होगा। इस बार पितृपक्ष में 2 ग्रहण लगेंगे। चंद्र ग्रहण रात 9:57 बजे से 1:27 बजे तक रहेगा जो भारत के अधिकांश हिस्सों में दिखाई देगा। पितृपक्ष के समापन के दिन सूर्य ग्रहण रहेगा लेकिन यह भारत में दिखाई नहीं देगा। शास्त्रों में उल्लेख आता है कि जब एक ही पक्ष में दो ग्रहण लगते हैं, तो कई तरह की परेशानियां और प्राकृतिक घटनाएं होती हैं। यह काल पितरों की शांति और तर्पण कर्मकांड को विशेष महत्व देने वाला होगा। इस प्रकार पितृपक्ष में ग्रहण का लगना शुभ-अशुभ फल को प्रभावशाली बनाता है।सबसे पहले ब्रह्मपुराण के अनुसार पितृ गायत्री मंत्र के जाप से पितरों का आवाहन करें। देवताभ्यः पितृभ्यश्च महा योगिभ्य एव च।नमः स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नमः ।। ॐ श्राध्दाय स्वधा नमः - इस मंत्र का श्राद्ध कर्म के समय उपयोग किया जाता है और इसे जपने से पितरों को शांति मिलती है। सही तिथि : पितृपक्ष में हमेशा अपने पितृ का तर्पण सहित तिथि में करें यानी जिस तिथि में पितृ की मृत्यु हुई है उसी तिथि को पितृ तर्पण करना चाहिए। पिंडदान : चावल, तिल और जौ आदि से बने पिंड (गोल लड्डू के आकार में) अर्पित करना चाहिए। तर्पण : पूरे पितृपक्ष के दौरान नदी में स्नान कर जल, तिल, अरवा चावल, सफेद फूल और कुशा से पितृ का तर्पण करना चाहिए। तर्पण करते वक्त उनके नाम से जल अर्पण करें।पिता को तर्पण देते समय गंगा जल में दूध, तिल और जौ मिलाकर तीन बार पिता को जलांजलि दें। जल देते समय ध्यान करें कि वसु रूप में मेरे पिता जल ग्रहण करके तृप्त हों। अपने गोत्र का नाम लेकर बोलें, गोत्रे अस्मतपिता (पिता जी का नाम) शर्मा वसुरूपत् तृप्यतमिदं तिलोदकम गंगा जलं वा तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः। पितृ तर्पण करने के बाद ब्राह्मण को भोजन अवश्य कराना चाहिए।

भाजपा नेता की हत्या करने वाला 9 दिन बाद भी नहीं पकड़ा गया,परिवार के लोग घर छोड़कर भागे

प्रयागराज। प्रयागराज में भाजपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य

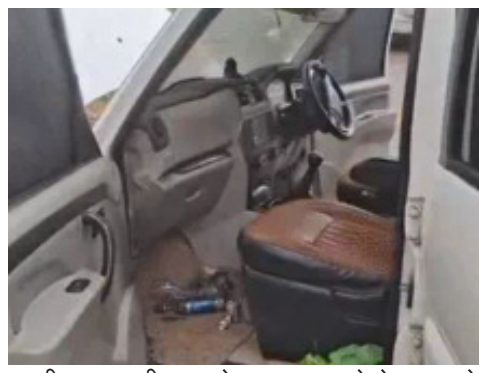

रणधीर यादव की हत्या के मुख्य आरोपी उदय यादव की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। घटना के 9 दिन बाद भी आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर है। लखनऊ हाईवे से 25 किलोमीटर दूर स्थित तुलसीराम का पूरा गांव में उदय यादव का पुश्तैनी घर है। गांव में उदय यादव के नाम की चर्चा से लोगों में डर का माहौल है। मुख्य सड़क से 10 मीटर दूर स्थित उदय का दो मंजिला मकान ताले में बंद है। स्थानीय लोगों के अनुसार हत्या की घटना के दिन से ही घर खाली है। उदय के पिता भोला नाथ, मां सोना देवी और अन्य परिजन कहीं चले गए हैं। पुलिस वर्दी और सादी वर्दी में लगातार निगरानी कर रही है। गांववासी पुलिस के डर से बात करने से कतरा रहे हैं। एक ग्रामीण ने बताया कि रणधीर यादव के लापता होने की सुबह से ही उदय का घर बंद है। उदय के करीबी और रिश्तेदार भी गांव छोड़कर चले गए हैं। गांव के बुजुर्गों के अनुसार उदय यादव गांव कम आता था। उसका भाई प्रयागराज के सिविल लाइंस में चाय की दुकान चलाता है। पिछली बार जब उदय गांव आया था, उसके चेहरे पर चिंता और बेचैनी साफ दिखाई दे रही थी।

संगमनगरी में जल्द शुरू होगी 'किडनी ट्रांसप्लांट',एसआरएन हॉस्पिटल में टीम ने देखी सुविधाएं,शासन से हरी झंडी का इंतजार

प्रयागराज। शहर में जल्द ही किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा मिलने जा रही है। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में इसकी शुरुआत होगी। शासन की तीन सदस्यीय टीम इस अस्पताल का निरीक्षण भी कर चुकी है। अब शासन से हरी झंडी मिलने का इंतजार है। एसआरएन अस्पताल परिसर में स्थित पीएमएसएसवाई की बिल्डिंग में किडनी ट्रांसप्लांट यूनिट बनकर तैयार है। इसके अलावा ओटी भी तैयार है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय ने बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट की तैयारी हमारे यहां पूरी है। सिर्फ शासन से अनुमति मिलने की देरी है।उत्तर प्रदेश की बात की जाए तो यहां चार ऐसे सरकारी अस्पताल हैं जहां पर किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा मरीजों को मिल रही है।

लखनऊ के एसजीपीजीआई,केजीएमसी, राम मनोहर लोहिया संस्थान के अलावा वाराणसी के बीएचयू में किडनी ट्रांसप्लांट हो रहा है। प्रयागराज का स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल यूपी का पांचवां सरकारी अस्पताल होगा जहां पर किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा मरीजों को मिलेगी। दरअसल, प्रयागराज के इस अस्पताल में आसपास के आधा दर्जन से ज्यादा शहरों के मरीज इलाज के लिए यहां आते हैं। नेफ्रोलाजी या यूरोलाजी डिपार्टमेंट में डॉक्टर तो हैं लेकिन किडनी ट्रांसप्लांट की व्यवस्था न होने से डॉक्टरों को लखनऊ के एसजीपीजीआई रेफर करना होता है।

महिलाओं की आवाज़ को बुलंद करने निकली हैं अंजनी कुशवाहा – प्रदेश महासचिव, महिला मोर्चा,(उ.प्र)अपनी जनता पार्टी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) श्रीकांत शाह विशेष कवरेज/ लखनऊ। **प्रश्नः अंजनी जी, सबसे**

श्रीकांत शाह

पहले आपका स्वागत है 'आधुनिक समाचार' में। महिला मोर्चा की प्रदेश महासचिव के रूप में आपकी प्राथमिकताएँ क्या हैं? अंजनी कुशवाहाः बहुत धन्यवाद। मेरी सबसे पहली प्राथमिकता महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और स्वावलंबन को सुनिश्चित करना है। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएँ अपनी बुनियादी ज़रूरतों के लिए संघर्ष कर रही हैं। हमारी पार्टी का महिला मोर्चा इस अंतर को खत्म करने के लिए हर जिले में सक्रिय है।**प्रश्नः अपनी जनता पार्टी की विचारधारा को आप महिलाओं के सशक्तिकरण से कैसे जोड़ती हैं?** उत्तरः हमारी पार्टी का मूल मंत्र है - 'जनता की बात, जनता के साथ।' महिलाओं को समाज की धुरी माना गया है, लेकिन उन्हें सही मंच नहीं मिल पाया। हम महिलाओं को राजनीति, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हर क्षेत्र में नेतृत्व देने के लिए नीतियाँ बना रहे हैं।**प्रश्नः आपने हाल ही में कई जिलों का दौरा किया है। ज़मीनी हालात क्या कहते हैं?** उत्तरः बिल्कुल। मैंने पूर्वांचल और बुंदेलखंड के कई गाँवों का दौरा किया है। वहाँ महिलाओं में जागरूकता की भारी कमी है लेकिन इच्छाशक्ति बहुत है। उन्हें बस सही दिशा और समर्थन चाहिए। हमने वहाँ स्वयं सहायता समूह बनाए हैं और स्वरोजगार योजनाओं से जोड़ना शुरू किया है। **प्रश्नः युवा महिलाएँ राजनीति में क्यों कम दिखाई देती हैं? क्या आपकी पार्टी इस दिशा में कुछ कर रही है?** उत्तरः यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है। राजनीति में युवतियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए हमारी पार्टी ने 'नारी नेतृत्व मिशन' शुरू किया है, जिसमें 18-30 वर्ष की महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। हमारा मानना है कि जब महिलाएँ नीति निर्धारण में आएँगी, तभी असल बदलाव होगा। **प्रश्नः एक व्यक्तिगत सवाल – राजनीति में आना आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा?** उत्तरः चुनौतियाँ तो हर महिला के जीवन में होती हैं, लेकिन राजनीति में दोगुनी होती हैं। लेकिन जब लक्ष्य स्पष्ट हो और जनता का साथ हो, तो हर चुनौती अवसर बन जाती है। मेरा सफर एक सामान्य गृहिणी से लेकर प्रदेश महासचिव तक का रहा है, और यह सिर्फ़ मेरे नहीं, हर उस महिला का सफर है जो कुछ कर दिखाना चाहती है।**प्रश्नः भविष्य की योजनाओं पर कुछ प्रकाश डालिए?** उत्तरः आने वाले चुनावों में महिला भागीदारी को 50इ

श्रीमती अंजनी कुशवाह

तक पहुँचाना, हर जिले में महिला हेल्प डेस्क स्थापित कराना, और महिलाओं के लिए डिजिटल साक्षरता अभियान शुरू करना हमारी प्रमुख योजनाओं में शामिल है। **प्रश्नः अंत में, आप उत्तर प्रदेश की महिलाओं को क्या संदेश देना चाहेंगी?** उत्तरः मैं हर महिला से कहना चाहूँगी कि वह खुद पर विश्वास करे। अब वक्त आ गया है कि महिलाएँ सिर्फ़ घर नहीं, देश की भी बागडोर संभालें। हमारी पार्टी, 'अपनी जनता पार्टी', हर कदम पर उनके साथ है। श्रीकांत शाह की कलम सेः 'अंजनी कुशवाहा सिर्फ एक नेता नहीं, एक विचार हैं। वो विचार जो महिलाओं को सिर्फ़ प्रोत्साहित नहीं करता, बल्कि नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करता है।'

फाफामऊ पुल की मरम्मत और रखरखाव कार्य को लेकर बड़ा फैसला-9 सितंबर से 23 सितंबर तक यह पुल पूरी तरह से बंद रहेगाःलोक निर्माण विभाग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पीडब्लूडी ने पुल के पाँच एक्सपेंशन ज्वाइंट्स बदलने और ड्रेनेज पाइपलाइन की मरम्मत के लिए यह निर्णय लिया है.प्रयागराज को लखनऊ और अन्य बड़े शहरों से जोड़ने वाले इस पुल का बंद होना यात्रियों और वाहन चालकों के लिए बड़ी समस्या बन सकता है. चूंकि यह शहर का एक प्रमुख मार्ग है, ऐसे में इसके बंद होने से जाम की स्थिति उत्पन्न होने का खतरा बढ़ जाएगा.इस्तेमाल करना होगा वैकल्पिक मार्ग- फाफामऊ पुल पर यातायात रोक दिए जाने के बाद यात्रियों और वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करना होगा. शहर में प्रवेश करने के लिए सहसों चौराहा से होते हुए थरवई और शास्त्री ब्रिज तक का चक्कर लगाना पड़ेगा. यह मार्ग लगभग 27 किलोमीटर लंबा है, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त समय और खर्च दोनों का सामना करना पड़ेगा. हालांकि दोपहिया वाहनों के लिए कर्जन ब्रिज को खोला जाएगा, लेकिन चारपहिया और भारी वाहनों को शास्त्री ब्रिज से ही होकर गुजरना पड़ेगा.डेढ़ घंटे एक्स्ट्रा लगेगा टाइम-यह फैसला खासतौर से उन लोगों के लिए परेशानी बढ़ा सकता है, जो रोजाना इस पुल का उपयोग कर कामकाज या अन्य जरूरी कार्यों के लिए शहर आते-जाते हैं. पहले जहाँ शहर तक पहुँचने में आधा घंटा लगता था, अब एक से डेढ़ घंटे का अतिरिक्त समय लग सकता है. रोडवेज की लगभग 70 से 75 बसें भी प्रभावित होंगी, जिन्हें सहसों, गारापुर और थरवई होकर शास्त्री ब्रिज से गुजरना पड़ेगा. इस कारण बसों के किराये में 40 से 45 रुपये तक की वृद्धि हो सकती

है और यात्रियों को लंबा सफर तय करना होगा.लोक निर्माण विभाग का कहना है कि यह मरम्मत कार्य 15 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा. पुल की संरचना को मजबूत करने, एक्सपेंशन ज्वाइंट्स बदलने और ड्रेनेज व्यवस्था सुधारने के साथ-साथ तकनीकी उपाय भी किए जाएंगे, ताकि भविष्य में जल्दी मरम्मत की जरूरत न पड़े. विभाग का दावा है कि काम पूरा होने के बाद पुल और भी मजबूत व सुरक्षित हो जाएगा. फाफामऊ बहुत बिजी रूट है. यहां से रोजाना हजारों लोग सफर करते है. इसके बंद होने से यातायात समेत कई लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो जाएगी. यह जाम का कारक भी बन सकता है. सचिन यादव शहर में रह कर पढ़ाई करता हुं घर जाने में आधे घंटे का समय लगता है, मगर पुल बंद हो जाने के बाद एक घंटे का अतिरिक्त समय लगेगा. अरूण तिवारी इस पुल की मरम्मत होना जरूरी है, मगर इसके लिए पूरी तरह बंद करना किसी भी स्थिति में सही नहीं है. क्योंकि इससे जाम की समस्या उत्पन्न हो सकती है. इससे निपटने का प्लान लोगों तक जरूर पहुंचाना चाहिए. मुकेश प्रजापति- पुल बंद होने से सबसे ज्यादा समस्या एंबूलेंस सेवा को होगी. क्योंकि रास्ता लंबा हो जाने के चलते मरीजों को अस्पताल तक पहुचंने में ज्यादा समय लगेगा. जिससे सिरीयस कंडीशन में मरीज अस्पताल तक नहीं पहुंच पाएंगा. विकास यादव- फाफामऊ पुल पर पांच एक्सपेंशन ज्वाइंट और ड्रैनेज पाइप को ठीक किया जाएगा. इसके लिए यातायात विभाग को उस रूट को पूरी तरह बंद करने के लिए कहा गया है. जिससे की मेंनेटेंनेंस के दौरान किसी प्रकार दुर्घटना न घ्रटनी पाये. विशाल सेठ- एई सेतु निगम कुंभ के दौरान ही पीडब्ल्यूडी विभाग को इस पुल को मेंटेन करने के लिए कहा गया था, मगर पीडब्ल्यूडी ने बात को अनसुना कर दिया. अब मेंनटेनेंस के लिए रूट खाली कराना पड़ेगा. पहले एक सितंबर को सुधार कार्य शुरू होना था, मगर पीईटी परीक्षा के चलते प्लान को चेंज करते हुए 9 सितंबर से 23 सितंबर के बीच कर दिया गया है.नीरज पांडे-यातायात उपायुक्त प्रयागराज।

'पति पत्नी और वो पार्ट 2' की शूटिंग के दौरान प्रयागराज के लोकप्रिय विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने की आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत से मुलाकात, किया भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) विशेष कवरेज/प्रयागराज। आगामी फिल्म 'पति पत्नी और वो पार्ट 2' की शूटिंग इन दिनों प्रयागराज के

विभिन्न ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थलों पर की जा रही है। फिल्म के मुख्य कलाकार – मशहूर अभिनेता आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह – इस दौरान शहर में मौजूद हैं। शूटिंग के एक विशेष सत्र के दौरान प्रयागराज के यशस्वी, लोकप्रिय व हैंडसम विधायक श्री हर्षवर्धन बाजपेयी जी ने शूटिंग स्थल पर पहुंचकर दोनों कलाकारों से सौहार्दपूर्ण मुलाकात की और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान विधायक जी ने प्रयागराज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन स्थलों और फिल्मांकन के लिए उभरते हब के रूप में शहर की संभावनाओं पर चर्चा की। आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह ने भी प्रयागराज के लोगों के प्रेम, सहयोग और यहां के वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें यहां शूटिंग का अनुभव बेहद सुखद और यादगार लग रहा है। फिल्म यूनिट की ओर से विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और आशा जताई गई कि आने वाले समय में प्रयागराज में और भी बड़े प्रोजेक्ट्स की शूटिंग हो सकेगी। शहरवासियों के लिए यह एक गर्व का क्षण है कि प्रयागराज न केवल धार्मिक, ऐतिहासिक व शैक्षिक केंद्र है, बल्कि अब यह भारतीय सिनेमा के नक्शे पर भी प्रमुखता से उभर रहा है। (आधुनिक समाचार के लिए विशेष संवाददाता श्रीकांत शाह की रिपोर्ट)

अपनों की स्मृति को जनसेवा में बदलने की अनूठी मिसाल,आईटीआई परिसर वृद्धाश्रम में नवीनीकृत चिकित्सा कक्ष का शुभारंभ

महेंद्र अग्रवाल ने बेटे-बहू की स्मृति में किया समाजोपयोगी कार्य,हर महीने दो बार एम्स के डॉक्टर देंगे निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिस दुःख में अधिकांश लोग टूट जाते हैं, उसी पीड़ा को समाजहित में बदलकर उदाहरण प्रस्तुत करने वाले बिरले ही होते हैं। शहर के जवाहर विहार कॉलोनी निवासी एवं मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के जिला संरक्षक एवं ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल के संरक्षक, प्रख्यात समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल ने ऐसा ही एक प्रेरणादायी कार्य कर समाजसेवा को नई दिशा दी है। उन्होंने अपने स्वर्गीय पुत्र राकेश अग्रवाल और बहू सोनम अग्रवाल की पुण्य स्मृति में स्थानीय आईटीआई लि. प्रांगण, दूरभाष नगर स्थित वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम) में चिकित्सा कक्ष का नवीनीकरण कराकर उसे जनसेवा के लिए समर्पित किया। इस चिकित्सा कक्ष का शुभारंभ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान मुंशीगंज के एनाटॉमी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. तरुण प्रकाश माहेश्वरी द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि प्रत्येक माह में दो बार एम्स के चिकित्सक

इस वृद्धाश्रम में आकर वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जांच और उपचार प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सभी वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। डॉ. तरुण माहेश्वरी की धर्मपत्नी श्रीमती आयुषी माहेश्वरी, पुत्र स्पर्श माहेश्वरी, पुत्री स्फूर्ति माहेश्वरी तथा समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल व मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के संयोजक प्रदीप पांडेय ने वृद्धजनों को जलपान वितरित कर सेवा का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि महेंद्र अग्रवाल पूर्व में भी वृक्षारोपण, गौसेवा एवं मानव सेवा जैसे विभिन्न सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे हैं। अपनों की स्मृति में समाजोपयोगी कार्य करना उनके जीवन दर्शन का हिस्सा बन चुका है। वे मानते हैं कि सच्ची श्रद्धांजलि आँसुओं से नहीं, बल्कि सेवा से दी जाती है।नवीनीकरण से वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी। आश्रम प्रबंधक धनंजय सिंह ने इस सराहनीय पहल पर महेंद्र अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्य भावी पीढ़ियों के लिए यह संदेश है कि अपनों की यादों को अमर रखने का सर्वोत्तम माध्यम जनसेवा है। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के स्टाफ सदस्य धनंजय प्रताप सिंह, रामबली सिंह, अनुज श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव के साथ-साथ वृद्धजन शिवरानी, रामकली, पूरन सिंह, शिव लखन, राजा राम, करुणा शंकर, अवधेश कुमार मिश्रा, सतगुरु शरण सहित बड़ी संख्या में वृद्ध महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के प्रथम दिवस का आयोजन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। नैनी इंडस्ट्रियल

ट्रेनिंग सेंटर में आज ओरिएंटेशन प्रोग्राम के प्रथम दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के निदेशक द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। छात्रों को स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी प्रशिक्षणों, उनकी उपयोगिता और रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजनाओं की भी जानकारी दी गई, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा प्राप्ति में सहायता मिल सके। इस अवसर पर सरकारी टैबलेट वितरण

योजना के तहत पात्र छात्रों को निःशुल्क टैबलेट दिए जाने की प्रक्रिया और लाभों की जानकारी साझा की गई। इसके अतिरिक्त, सुपोषण और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री स्कूटी वितरण योजना के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया गया।कार्यक्रम में प्रशिक्षकों, अधिकारियों और छात्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

दादा के हाथों पोते की बलि चढ़वाने वाला तांत्रिक बोला- मैंने कहा था, पोते के 9 टुकड़े करना,टुकड़ों को अलग-अलग दिशाओं में फेंकना

प्रयागराज। मैं तंत्र-मंत्र के लिए सरन सिंह के घर गया था। मैंने उसे बताया था, परिवार पर साया है। जादू-टोने का असर है। इसका प्रभाव खत्म करने के लिए नर बलि

देनी होगी। मैंने उसे बताया कि परिवार के अजय सिंह के बेटे (पीयूष) की बलि देना। फिर उसके 9 टुकड़े करना। उन टुकड़ों को दक्षिण-पश्चिम या उत्तर दिशा में फेंक देना। मेरे कहने पर उसने पीयूष की बलि दे दी। फिर उन टुकड़ों को फेंक दिया।' यह कहना है उस तांत्रिक मुन्ना लाल का, जिसके कहने पर सरन सिंह ने अपने 17 साल के पोते पीयूष को किडनैप किया। फिर उसकी बलि देकर शव के टुकड़े कर अलग-अलग दिशाओं में फेंक दिए। पुलिस ने आरोपी तांत्रिक को रविवार को अरेस्ट कर लिया।पुलिस पूछताछ में तांत्रिक मुन्ना लाल ने बताया कि मैं कौशांबी के धुस्कहा का रहने वाला हूं। मेरी सरन सिंह से मुलाकात कुछ महीनों पहले करेली के लेबर चौराहे पर हुई थी। फिर मैं उसके घर आने-जाने लगा। तंत्र विद्या सीखने के लिए सरन ने मुझे कई बार अपने घर बुलाया था। मैंने उसे कई क्रियाएं समझाईं। उसे तंत्र-मंत्र के बारे में बताया। जब भी वह पूजा या कोई तंत्र क्रिया करता, तो मुझसे फोन कर पूछता था। फोन पर मेरी लगातार उससे बातचीत होती रहती थी।मुन्ना लाल ने बताया- पहले मैं राजगीर था। बाद में तंत्र-मंत्र और जादू-टोना कर रुपए कमाने लगा। मैंने सरन सिंह की समस्या सुनी। वह भी तंत्र-मंत्र में विश्वास रखता था। सरन सिंह के घर में बैठकर हमने तंत्र-मंत्र किया। चारों तरफ कील लगाईं। मैंने बताया कि सरन सिंह के घर में बहुत बड़ा साया है। मैंने उसे सलाह दी कि इसे दूर करो, वरना पूरा परिवार तबाह हो जाएगा। सरन को बताया कि यह साया तुम्हारे ही परिवार के अजय सिंह उर्फ गुड्डू के कारण है। उसी ने तुम्हारे परिवार पर जादू-टोना किया है। मैंने उससे कहा कि तुम अजय के लड़के को काटकर उसके 9 टुकड़े करके दक्षिण-पश्चिम या उत्तर ले जाकर फेंक दो। इससे तुम्हारे घर का गृह दोष शांत हो जाएगा।प्रॉपर्टी डीलर ने तांत्रिक के जाल में फंसकर अपने 17 साल के पोते की बलि दे दी। 25 अगस्त को उसने स्कूल जाते वक्त बच्चे को किडनैप किया। वहां तंत्र-मंत्र किया और बच्चे की हत्या कर दी। फिर हाथ-पैर और धड़ काटकर अलग कर दिए। हाथ-पैर जंगल में, जबकि धड़ को पॉलिथीन में लपेटकर नाले में फेंक दिया। पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले। जांच के दौरान एक महिला ने पुलिस को बताया कि मैंने एक व्यक्ति को नाले में शव फेंकते हुए देखा। पुलिस ने वहां का सीसीटीवी खंगाला, जिसमें आरोपी दादा नजर आया। उसकी पहचान बच्चे के दादा सरन सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने बुधवार को उसे घर से गिरफ्तार कर लिया। सख्ती से पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल लिया। उसने बताया कि मेरी बेटी और बेटे ने आत्महत्या कर ली थी। इससे मैं गहरे सदमे में था। मैंने एक तांत्रिक से संपर्क किया। उसने कहा कि अगर वह अपने बेटे या बेटी की उम्र के किसी लड़के की बलि दे तो उसके सारे ग्रहदोष समाप्त हो जाएंगे। इसके चलते मैंने बच्चे की हत्या कर दी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बच्चे के हाथ-पैर को घर से करीब 10 किमी दूर करेंहदा के जंगल से बरामद किए। 11वीं में पढ़ने वाले पीयूष के पिता अजय सिंह की मौत हो चुकी है। वह मां कामिनी, 2 बड़े भाइयों समीर सिंह और ध्रुव के साथ सदियापुर गुरुद्वारे के पास रहता था। करेली के सरस्वती विद्या मंदिर में पढ़ता था। पीयूष के बगल में ही सरन सिंह का घर है। पीयूष की मां कामिनी ने पुलिस को बताया- सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे बेटा स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। रोजाना दोपहर 2:30 बजे तक लौट आता था, लेकिन उस दिन वापस नहीं आया। हमने फोन करके स्कूल में पता किया। वहां से बताया गया कि बेटा आज स्कूल पहुंचा ही नहीं है। इसके बाद मैंने उसके दोस्तों को फोन किया। उन्हें भी बेटे के बारे में जानकारी नहीं थी। इसके बाद मैंने थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।पीयूष के बड़े भाई ध्रुव ने बताया- दादा सरन सिंह पहले चोरी किया करते थे। बाद में प्रॉपर्टी का काम करने लगे। बेटे-बेटी की मौत के बाद तंत्र-मंत्र भी करने लगे। अब उन्होंने मेरे भाई को किडनैप करके हत्या कर दी। मेरी मांग है कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा

मिले।पुलिस पूछताछ में सरन सिंह ने बताया- पीयूष उर्फ यश को किडनैप करने के लिए मैंने एक महीने तक रेकी की। पीयूष जब सुबह-सुबह स्कूल के लिए निकलता तो मैं उसे रास्ते में रोक लेता। फिर उससे बात करते हुए चलता जाता। ऐसा मैं इसलिए करता था ताकि मैं उसका विश्वास जीत सकूं। 26 अगस्त को पीयूष स्कूल जाने के लिए गली से निकला। मैंने उसे आवाज देकर अपने पास बुला लिया। मैं उसे अपने घर में ले गया। यहां पीछे से उसके सिर पर ईंट से वार कर दिया। हमला होते ही पीयूष फर्श पर गिर गया।उसके गिरते ही मैंने तंत्र-मंत्र के लिए सामान अपने पास में रखा। चौकी सजाई, फिर

मैं बलि देने के लिए मंत्र पढ़ने लगा। इसी बीच पीयूष को होश आने लगा। फिर मैं उठा और तकिया ले आया। तकिए से उसका मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद मैंने मां काली के सामने बलि देने के लिए आरी से सबसे पहले उसका सिर काटा। फिर मंत्र पढ़े। बलि की क्रिया पूरी होने के बाद मैंने चापड़ और आरी की मदद से पीयूष के दोनों हाथों को काट कर अलग किया। फिर उसके दोनों पैर काट कर अलग किए। इसके बाद इन सभी टुकड़ों को पॉलीथिन में भरा। कमरे को धोया।बदबू न आए इसके लिए पूरे कमरे में इत्र छिड़का। 100 से अधिक धूपबत्ती जलाईं।सरन सिंह ने बताया- मैंने पीयूष के सिर को अलग पॉलीथिन में रखा था। उसे रसूलपुर कछार के पास कूड़े के ढेर में फेंक दिया। इसके बाद थाना अतारसुईया क्षेत्र में एक नाले में हाथ-पैर फेंके। धड़ बड़ा था, इसलिए उसे पहले साड़ी में लपेटा। फिर पॉलीथिन में भरा और स्कूटी पर रखकर निकल पड़ा। नैनी पुल पार कर थाना औद्योगिक क्षेत्र पहुंचा। वहां हाईटेक सिटी के पास नाले में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने 26 अगस्त सुबह पीयूष की हत्या की। इसके बाद शाम तक शव के टुकड़े फेंकता रहा। उसी दिन शाम को पुलिस को स्कूटी के बारे में पता चला। पुलिस ने पूरी रात करीब 200 कैमरे देखे। 27 की सुबह आरोपी को उसके घर से अरेस्ट कर लिया। इसके बाद 4 घंटे बाद पुलिस ने शव के सभी टुकड़े बरामद कर लिए।इधर पीयूष घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने स्कूल में फोन किया। पता चला, वह स्कूल पहुंचा ही नहीं था। इसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने 2 टीमें बनाकर जांच शुरू की। 200 सीसीटीवी खंगाले, लेकिन बच्चे का पता नहीं चला। जांच के दौरान एक महिला ने पुलिस को बताया कि मैंने एक व्यक्ति को नाले में शव फेंकते हुए देखा है। इसके बाद पुलिस ने वहां का सीसीटीवी खंगाला, जिसमें आरोपी नजर आया। बच्चे के परिजनों को दिखाया तो पता चला कि सीसीटीवी में दिखाई देने वाला सरन सिंह पीयूष का दादा है। जो प्रॉपर्टी का काम करता है। पुलिस ने बुधवार को उसे घर से गिरफ्तार कर लिया।डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया- सरन सिंह पीयूष का चचेरा बाबा (दादा) है। पूछताछ में उसने कत्ल की वारदात कबूल कर ली है। उसने बयान दिया, कि 2023 में उसकी बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद 2024 में उसके बेटे ने यमुना पुल से कूदकर खुदकुशी कर ली थी। मुझे तांत्रिक ने बताया- मेरी भाभी यानी पीयूष की दादी मेरे परिवार को जादू-टोना कर बर्बाद कर रही है। तांत्रिक ने बताया कि उसी परिवार के बच्चे की बलि देनी होगी। फिर मैंने प्लानिंग की और पीयूष की बलि दे दी।

अधिवर्षता आयु पूर्ण कर मुस्तिजाब अहमद अधिशासी अभियंता, रायबरेली विकास प्राधिकरण हुए सेवानिवृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 31अगस्त 2025 रायबरेली विकास प्राधिकरण के

अधिशासी अभियंता, मुस्तिजाब अहमद दिनांक 31 अगस्त 2025 को सेवानिवृत हो रहे हैं। अहमद के सेवानिवृत के अवसर पर प्राधिकरण परिवार द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2025 को प्राधिकरण के सभागार में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया। अहमद रायबरेली विकास प्राधिकरण में वर्ष 2015 को सहायक अभियंता के पद पर तैनात हुए थे। इसके पूर्व अहमद लखनऊ विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद तथा विभिन्न जनपदों में कार्यरत रहे थे। इस प्राधिकरण के पूरे 10 वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने तकनीकी कार्यों के साथ-साथ संपत्ति अधिकारी एवं भूमि अध्याप्त अधिकारी एवं कुछ समय के लिए अधिष्ठान प्रभारी का कार्य भार भी देखा। इसी अवधि में शासन द्वारा उन्हें अधिशासी अभियंता के पद पर भी पदोन्नति प्रदान की। लगभग 10 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने जन सामान्य एवं कर्मचारी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कुशलता पूर्वक कार्य किया। उनके विदाई समारोह में प्राधिकरण की सचिव/ अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अमृता सिंह , कर्मचारी गण, प्राधिकरण के अधिवक्ता एवं सेवा निवृत्त कर्मचारियों ने उन्हें पुष्प गुच्छ/ माल्यार्पण एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया। विदाई समारोह में सचिव ने उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना एवं प्रशंसा की गई। प्राधिकरण के विद्वान अधिवक्ता श्री लक्ष्मी शंकर बाजपेई द्वारा सभी लोगों को मुस्तजाब अहमद के नाम की व्याख्या करते हुए बताया कि बड़ा सुंदर नाम है। उन्होंने बताया कि अहमद हमेशा अपने नाम के अनुरूप कार्य करते रहे हैं। भविष्य में उन्हें हम लोगों की किसी प्रकार की सहायता होगी तो वह प्रस्तुत है। सेवानिवृत अवर अभियंता अभियंता सैयद कायम अली रिजवी ने अपने शेरो शायरी से माहौल को खुशनुमा बनाए रखा। सहायक लेखाकार पवन एवं विनोद ने अपनी कविताओं से अहमद की सम्मान में प्रशंसा के भाव रखें। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शिव मनोहर पांडे, सेवानिवृत्ति बड़े बाबू राजेश कुमार पांडे ,सेवानिवृत्ति बड़े बाबू अरुण कुमार सचान एवं देवनाथ पाल ने भी पुष्प गुच्छ एवं माल्यार्पण कर अहमद को बधाई दी। इसके अतिरिक्त अंकिता शर्मा,निष्ठा साहू,शिव कुंअर,शिव ओम त्यागी तथा समस्त प्राधिकरण कर्मचारी एवं मानचित्रकार,ठेकेदार उपस्थित रहे।

साइबर ठगी का शिकार हुआ हेड कांस्टेबल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। विधानसभा गेट नंबर 8 ड्यूटी कर रहे हेड कांस्टेबल के साथ ठगी। फ्लिपकार्ट के कस्टमर केयर नंबर को मिलाने के बाद, साइबर ठगों ने की ठगी, विधानसभा के गेट नंबर 8 पर ड्यूटी कर रहे हेड कांस्टेबल ज्ञानेंद्र सिंह ने वनप्लस कंपनी का नैक बैंड आर्डर किया था। चार्ज करने के बाद इस पर आवाज नहीं आ रही थी। जिसको लेकर हेड कांस्टेबल ज्ञानेंद्र सिंह ने गूगल से फ्लिपकार्ट का कस्टमर केयर नंबर निकाला और उस नंबर पर फ्रॉड हो गया।साइबर ठगों ने एक लिंक भेजा उसको डाउनलोड कराया और 94 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए, हेड कांस्टेबल की तहरीर पर हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज।

यूपी में संपत्तियों की रजिस्ट्री के बाद खतौनी में नाम दर्ज कराने के लिए लोगों का अब बार-बार तहसील के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। गैर विवादित मामलों में अब रजिस्ट्री होते ही स्वतःखतौनी में नाम दर्ज हो जाएगा। राजस्व परिषद संपत्तियों को आधार से लिंक कराने जा रहा है.इसके साथ ही तय प्रारूप पर रजिस्ट्री की पूरी सूचना ली जाएगी। इसके बाद एसमएस या वाट्सएप पर विक्रेता पक्ष को नोटिस भेजकर अनापत्ति ली जाएगी और इसके मिलते ही खतौनी में नाम दर्ज हो जाएगा।

ब्लॉक संघ अध्यक्ष को महिला ने चप्पल से पीटा,प्रयागराज में मीटिंग में चप्पल लेकर दौड़ी

प्रयागराज। महिला पंचायत सहायक ने जिला ब्लॉक संघ अध्यक्ष को जमकर चप्पलों से पीटा। उनके साथ धक्का-मुक्की की। उन्होंने किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई। जब मामला शांत हुआ, तो महिला ने जिला ब्लॉक संघ अध्यक्ष को देख लेने की धमकी दी। शुक्रवार को हुई इस घटना का वीडियो आज सामने आया है। कहा जा रहा है कि महिला जिला ब्लॉक संघ अध्यक्ष बनना चाहती थी। लेकिन, निर्विरोध चुनाव होने की वजह से वह चुनाव नहीं लड़ पाई थी।

सुपरटेक केपटाउन में नोएडा साइबर सुरक्षा पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। के सेक्टर 74 के सुपरटेक केप टाउन सोसायटी में पुलिस (साइबर सेल) द्वारा साइबर सुरक्षा पर आज एक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया.भारत जागरूक नागरिक संगठन के अध्यक्ष एवं केप टाउन निवासी शैलेंद्र वर्णवाल ने बताया कि साइबर सेल के अधिकारी एसपी सिंह ने सोसाइटी के निवासियों को ऑनलाइन सुरक्षित रहने,व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करने और साइबर खतरों को समझने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी.उन्होंने साइबर क्राइम से बचने के लिए उपाय भी बताया। कार्यक्रम के दौरान साइबर क्राइम संबंधित निवासियों के प्रश्नों का जवाब दिया गया.इस कार्यक्रम को आयोजित करने में केपटाउन एओए एवं मेंटेनेंस विभाग का महत्वपूर्ण भूमिका रहा। आज के कार्यक्रम में केप टाउन एओए अध्यक्ष अरुण शर्मा बीजेएनएस अध्यक्ष शैलेंद्र वर्णवाल परमानंद गोयल बीके गुप्ता पीके अग्रवाल राजेश राठी प्रशांत आदि बड़े संख्या में लोग मौजूद रहे।

भूमि पूजा के साथ शुरु की गई नव श्री केशव रामलीला कमेटी की तैयारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क, नजदीक बोट क्लब, सेक्टर 11 के सामने नव श्री केशव रामलीला कमेटी पंजी. द्वारा भूमि पूजा कर रामलीला की तैयारी शुरु कर दी। नव श्री केशव रामलीला कमेटी रोहिणी के चेयरमैन पुष्पेन्द्र रस्तोगी ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी रामलीला का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार रामलीला 22 सितम्बर से शुरू होगी जो 03 अक्टूबर 2025 तक चलेगी, 10 दिन तक उत्सव का माहौल रहेगा। इस अवसर पर संस्था चेयरमैन पुष्पेन्द्र रस्तोगी, अध्यक्ष जय किशन बंसल, एडिशनल चेयरमैन संजय कुमार गुप्ता, महामंत्री कृष्ण जिंदल, कोषाध्यक्ष दिनेश सर्राफ, कार्यालय महामंत्री प्रदीप अग्रवाल, लीला महामंत्री हरि किशन मित्तल, सी. वाईस चेयरमैन पुरुषोतम लाल सिंघल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। संस्था द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम का यह 29वां वर्ष है। उन्होंने बताया की रामलीला मैदान में सैकड़ों गाडियों के पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। सैकड़ों लोगों के बैठने की व्यवस्था भी रहेगी, वहीं मेले का भी आयोजन जाएगा। रामलीला मैदान में जगह जगह एलईडी स्क्रील लगाई जाएगी, जिससे लोग रामलीला देख सकें। नव श्री केशव रामलीला कमेटी के भूमि पूजन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कलाकारों की प्रस्तुति की सभी ने सराहना की। नव श्री केशव रामलीला कमेटी रोहिणी द्वारा डांडिया नाईट, मेला सहित कई अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें कई स्टॉल लगाए जाएंगें। मेले में हर प्रकार के झूले होंगे, जो कि बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहेगें।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति नोएडा ने भूमि पूजन के साथ किया रामलीला महोत्सव 2025 का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति नोएडा द्वारा लगातार 40 वर्षों से आयोजित हो रहे रामलीला महोत्सव का आगाज इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम से किया गया। रविवार को सेक्टर-21ए स्थित रामलीला ग्राउंड में भूमि पूजन व हवन कर कार्यों का शुभारंभ किया गया।समिति के महासचिव एवं सांसद प्रतिनिधि संजय बाली ने जानकारी देते हुए बताया कि भूमि पूजन में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद एवं समिति के मुख्य संरक्षक डॉ. महेश शर्मा, कैप्टन विकास गुप्ता, पूर्व विधायक श्रीमती विमला बाथम एवं विधायक पंकज सिंह के भाई अनिल सिंह ने भाग लिया। सभी गणमान्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से धरती माता का पूजन, हवन एवं ध्वजारोहण कर रामलीला कार्यों को गति देने की शुरुआत की।इस वर्ष भव्य रामलीला महोत्सव 22 सितंबर से 3 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। भूमि पूजन के उपरांत समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डॉ. टी. एन. गोविल, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज, स्वागताध्यक्ष पीयूष द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्यजन मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से रामकुमार शर्मा, शुभकरण राणा, रमेश कुमार, मित्तल, विकास जैन, राधा कृष्ण गर्ग, अनिल खण्डेलवाल, सौरभ गोविल, डॉ. एस.पी. जैन, गौरव सिंहल, प्रताप मेहता, वीरेन्द्र मेहता, विनीत मेहता, एन.पी. सिंह, मनोज शर्मा, मुकेश शर्मा, आलोक द्विवेदी, राकेश कत्याल, डिम्पल आनंद, अनुज गुप्ता, विपिन बंसल, विनय शर्मा, पवनदीप सिंह, मनीष तिवारी, नीरज चौधरी, अर्चना राय, देवेन्द्र गंगल, प्रमोद बहल, राजेश नेगी, अमित अग्रवाल, सुधीर पोरवाल, भूपेन्द्र सिंह आदि शामिल रहे।धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने वाले इस महोत्सव में हर वर्ष की भांति इस बार भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक जुटने की संभावना है।

पाकेट 7 शिव मंदिर पर श्री राधा अष्टमी धूमधाम से मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पॉकेट 7 सेक्टर 82 के शिव मन्दिर पर श्री राधा रानी का जन्मोत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया गया, हिंदू धर्म के अनुसार, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को राधा अष्टमी का त्योहार मनाया जाता है श्री राधे रानी का जन्म वृषभानु, जो बरसाना के यादव शासक थे, और उनकी पत्नी कीर्तिदा के घर हुआ था। उनका जन्मस्थान उत्तर प्रदेश में गोकुल के पास एक छोटा सा कस्बा रावल है, हालाँकि अक्सर कहा जाता है कि वे बरसाना में पली-बढ़ी थीं। इस अवसर पर भजन कीर्तन हुआ और आरती के

बाद खीर का प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर आर डब्लू ए के उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, विकास कुमार,रमेश चंद्र शर्मा, गोरेलाल ,संजय पांडेय हंस मणि शुक्ल,अंगद सिंह तोमर, अनूप सिंह , ललित शर्मा, संगम प्रसाद मिश्र, विकास शर्मा, अनूप शर्मा ,पप्पू सिंह, दिनेश पाठक,प्रकाश जोशी ,अवनीश तिवारी ,प्रशांत पाठक,विनोद मुदगल , शुभम ,देवेंद्र गुप्ता ,किशोर कपूर शैलेश शर्मा, सुभाष शर्मा, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, संदीप कुमार, विवेक कुमार, प्रद्युम्न श्रीवास्तव, अशोक कुमार यादव, राकेश कुमार, अनिल कुमार, आदि लोग मौजूद रहे।

मनुष्य के जीवन में संगठन का बड़ा महत्व है। अकेला मनुष्य शक्तिहीन है!! विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा का स्थापना दिवस समारोह

मातृ-पितृ उत्कृष्ट सेवा करने वालों को 'श्रवण कुमार' उपाधि से सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त होगा-बीके शर्मा हनुमान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गाजियाबाद नवयुग मार्केट विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में 21 सितंबर को स्थापना दिवस समारोह के शुभ अवसर पर 'मातृ-पितृ उत्कृष्ट सेवा करने वालों को श्रवण कुमार उपाधि से सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हिंदी भवन लोहिया नगर गाजियाबाद स्थित होगा यह आयोजन राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए किया जाएगा! विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने संगठन पर चर्चा करते हुए बताया कि मनुष्य के जीवन में संगठन का बड़ा महत्व है, अकेला मनुष्य शक्तिहीन है जबकि संगठित होने पर उसमें शक्ति आ जाती है। संगठन की शक्ति से मनुष्य बड़े-बड़े कार्य भी आसानी से कर सकता है। संगठन में ही मनुष्य की सभी समस्याओं का हल है। जो परिवार और समाज संगठित होता है वहां हमेशा खुशियां और शांति बनी रहती है और ऐसा देश तरक्की के नित नए सोपान तय करता है। इसके विपरीत जो परिवार और समाज असंगठित होता है वहां आए दिन किसी न किसी बात पर कलह होती रहती है जिससे वहां हमेशा अशांति का माहौल बना रखता है। संगठित परिवार, समाज और देश का कोई भी दुश्मन कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जबकि असंगठित होने पर दुश्मन जब चाहे आप पर हावी हो सकता है। संगठन का प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व होता है, जबकि बिखराव किसी भी क्षेत्र में अच्छा नहीं होता है। संगठन का मार्ग ही मनुष्य की विजय का मार्ग है। यदि मनुष्य किसी गलत उद्देश्य के लिए संगठित हो रहा है तो ऐसा संगठन अभिशाप है, जबकि किसी अच्छे कार्य के लिए संगठन वरदान साबित होता है। प्रत्येक धर्म ग्रंथ संगठन और एकता का संदेश देते हैं। कोई भी धर्म आपस में बैर करना नहीं सिखाता। सभी धर्मों में कहा गया है कि मनुष्य को परस्पर प्रेमपूर्वक वार्तालाप करना चाहिए। मनुष्य जब एकमत होकर कार्य करता है तो संपन्नता और प्रगति को प्राप्त करता है। संगठन में प्रत्येक व्यक्ति का विशेष महत्व होता है इसलिए जब मनुष्य संगठित होकर कोई कार्य करता है तो उसके परिणाम में विविधता देखने को मिलती है। जिस तरह प्रत्येक फूल अपनी-अपनी विशेषता और विविधता से किसी बगीचे को सुंदर व आकर्षित बना देते हैं उसी तरह मनुष्य भी अपनी-अपनी विशेषता और योग्यता से किसी भी कार्य को नया आयाम प्रदान कर सकते हैं। यह भी संभव नहीं है कि किसी विषय पर सभी व्यक्तियों का मत एक जैसा ही हो, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति किसी विषय या समस्या को अपने नजरिये से ही देखता है और इसी आधार पर उसका समाधान भी खोजता है, लेकिन जब बात संगठन की आती है तब मनुष्य को वही करना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों का भला हो। संगठन में प्रत्येक मनुष्य को अपनी व्यक्तिगत भावनाओं पर नियंत्रण करना होता है इसलिए संगठन में व्यक्ति को शारीरिक तौर पर ही नहीं, बल्कि मानसिक व बौद्धिक रूप से भी समर्पित होना पड़ता है। इस अवसर पर संस्थापक कार्यकारी अध्यक्ष महेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र शर्मा, संस्था के धर्माचार्य प्रमुख ब्रजकिशोर बृजवासी, पंडित राकेश शास्त्री, उपाध्यक्ष आरसी शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजपाल शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता महिला प्रकोष्ठ अल्पना सागर शर्मा, महिला प्रकोष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष प्रीति चंद्रा राय, राष्ट्रीय प्रवक्ता सतीश भारद्वाज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सागर शर्मा, उपाध्यक्ष कपिल पंडित, विनीत शर्मा, देवेंद्र शर्मा संगठन मंत्री, मनोज शर्मा संगठन मंत्री, शिव कुमार शर्मा संगठन मंत्री, देवाशीष ओझा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संजय कुमार शुक्ला प्रभारी हिंडन क्षेत्र, रघुनंदन भारद्वाज महासचिव, चेतन पंडित प्रदेश प्रभारी उत्तर प्रदेश, ऋषि पाल शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नीरज शर्मा प्रचारक, अमित शर्मा महानगर अध्यक्ष, अशोक भारतीय संयोजक, लोकेश कौशिक कोषाध्यक्ष, प्रमोद कुमार शर्मा उपाध्यक्ष, आदि मौजूद थे.

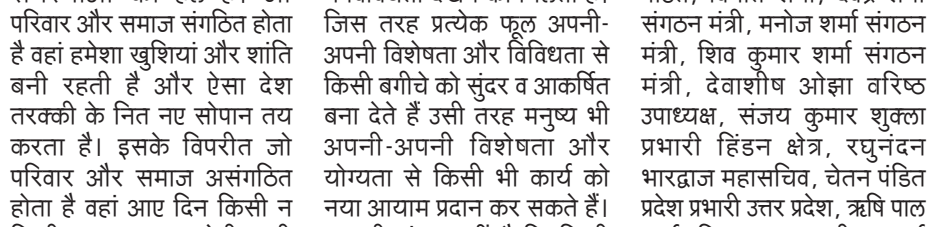

अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के तत्वावधान में हुआ विराट वैश्य महासम्मेलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के तत्वावधान में आज नोएडा में विराट वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया गया। विराट वैश्य महासम्मेलन में पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज ने हमेशा देने का काम किया है। हमारी संख्या 35 करोड़ है लेकिन राजनीति में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है। आज आवश्यकता अपनी कमी को दूर करने की है। नोएडा में सबसे ज्यादा जनसंख्या वैश्य समाज की है लेकिन फिर भी राजनीति में हमारी हिस्सेदारी नहीं है। हमें अपनी ताकत दिखानी होगी। दर्जा राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता ने कहा कि आज वैश्य समाज बहुत पिछड़ा हुआ है। हमें अपनी ताकत को पहचानना होगा। अपने समाज को बचाना है और समाज की राजनीतिक चेतना को जगाना है तो हमें अपनी एकजुटता दिखानी होगी। उत्तर प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पूर्व मंत्री नितिन गुप्ता व अन्य गणमान्य अतिथि शामिल हुए। महासम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वैश्य समाज की एकता एवं जागरूकता पर चर्चा, राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की गयी। इसके अलावा वैश्य समाज के लड़के लड़कियों के विवाह देरी से होना, वैश्य समाज में पंच परमेश्वर पंचायत के सर्वे सर्वा होना जो कोर्ट या न्यायालय में केस चलते हैं उन्हें कोर्ट से बाहर निपटना, वैश्य समाज व्यापारी टास्क फोर्स का गठन करना, वैश्य समाज के सभी आईटीआर भरने वालों को फ्री मेडिकल सेवा, वैश्य परिवार के जिनके स्कूल कॉलेज चल रहे हैं उनके द्वारा अपने वैश्य समाज परिवार के जो पैसे की कमी के कारण नहीं पढ़ पा रहे हैं उन बच्चों को स्कूल कॉलेज कोचिंग में फ्री या कम फीस में सुविधा, विवाह से पहले वेडिंग शूट बंद कराना, किसी की तेरहवीं पर फालतू का दिखावा बंद करना, विवाह होने के बाद वर वधु जब तलाक लेते हैं तो वधु पक्ष वर पक्ष पर गलत इल्जाम से जो रुपयों प्रॉपर्टी में अपना हिस्सा मांगते हैं उस पर रोक लगाना जैसे मुद्दों पर चर्चा की गयी। विराट वैश्य महासम्मेलन में संगठन के उपाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, सुधीर पौरवाल, महेश बाबू गुप्ता, राजीव पौरवाल अध्यक्ष जय वैश्य समाज, एडवोकेट कुणाल गर्ग, सत्य नारायण गोयल, अमित पौरवाल, मुनीश गर्ग, शशि जिंदल नगर अध्यक्ष भंगेल, शैलेन्द्र बरनवाल, मनोज गुप्ता, सचिन गुप्ता व नवीन गर्ग आदि मौजूद रहे। मोदीनगर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, खतौली, डिबाई, बुलंदशहर, अलीगढ़, दिल्ली, फरीदाबाद, सोनीपत, बहरोड़, ग्रेटर नोएडा, बिलासपुर, दनकौर, जेवर, एटा, इटावा, मैनपुरी, महेबा, फंफूद, मथुरा आदि जगहों के साथ साथ अनेक जगहों से हजारों की संख्या में वैश्य बंधु उपस्थित रहे।

श्रीमती शालिनी सिंह नोएडा सिटीजन फोरम की संरक्षक सदस्य बनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जानी-मानी शिक्षाविद एवं अधिवक्ता श्रीमती शालिनी सिंह नौएडा की अग्रणी एवं नागरिक हितों के लिए सदैव तत्पर सक्रिय सामाजिक संस्था 'नौएडा सिटीजन फोरम' में संरक्षक सदस्य के रूप में शामिल हुई हैं! ग़ौरतलब है, शालिनी सिंह बृजभूषण शरण सिंह जी (6 बार के लोकसभा सांसद व वरिष्ठ भाजपा नेता) की सुपुत्री हैं एवं NAFED चेयरमैन विशाल सिंह की अर्धांगिनी हैं। इसके साथ शालिनी सिंह के दोनों भाई प्रतीक भूषण सिंह एवं करण भूषण सिंह भी सांसद एवं विधायक हैं। शालिनी स्वयं पिछले कई वर्षों से नौएडा के नागरिक के रूप में

सामाजिक कार्यों एवं शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रहीं हैं! अपने मिलनसार व सरल स्वभाव के लिए जानी जाती हैं। देशसेवा व समाज सेवा विशेषतः वंचित एवं निर्बल समूहों की सेवा तथा पूरी प्रखरता से जनता की आवाज उठाना शालिनी सिंह के स्वभाव का अभिन्न हिस्सा है ! राष्ट्रीयता की अखंड भावना व गरीब, शोषित, पीड़ितों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा इन्हें अपने पिताजी से विरासत में मिली है, जिसका निर्वाहन यह लगातार बखूभी करती आ रही हैं। शिक्षाविद् के रूप में भी अपना सक्रिय योगदान दे रही हैं, देश के एक बड़े शिक्षण संस्थान की स्वामिनी हैं जिसके अंतर्गत कई स्कूलों और कॉलेज का सफलतापूर्वक संचालन किया जा है!

पुस्तापार कालोनियों के नागरिकों ने सभा कर किया ऐलान, बिजली नहीं मिली तो फिर होगा आंदोलन- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। हिंडन नदी पुस्ता के आसपास बनी विभिन्न कॉलोनियों में बिजली दिए जाने की मांग पर राष्ट्रीय शहरी ग्रामीण विकास समिति ने आज अंकुर फार्म हाउस गणेश नगर सोरखा सेक्टर- 115, नोएडा पर आम सभा का आयोजन कर आंदोलन को तेज करने की रूपरेखा बनाई। आमसभा में पहुंचे मुख्य आमंत्रित वक्ता सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा व उदल आर्य, बबली शर्मा अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा एडवोकेट, जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष रेखा चौहान आदि नेताओं का कॉलोनी के लोगों ने फूल माला पहनाकर जोरदार तरीके से स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि लाखों नागरिक नोएडा जैसे शहर में आज के आधुनिक युग में बिना बिजली के रह रहे हैं यह किसी अभिशाप से कम नहीं है इसके लिए उन्होंने प्राधिकरण, जिला प्रशासन, बिजली विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लिया। और लोगों से एग्जिट होकर बड़ा आंदोलन करने के लिए प्रेरित किया। सभा को समिति के नेता राजेश दुबे, हरगोविंद सिंह, हरी लाल गोपी, राम जी यादव, धर्मेंद्र सोलंकी, किरण देवी, गुड़िया देवी, रामदुलारे आदि ने संबोधित किया। सभा की अध्यक्षता समिति के नेता लायक हुसैन व संचालन जतिन यादव ने किया।

आधुनिक समाचार के सम्पादक डॉ. दीपक अरोड़ा सिने हास्य कलाकार राजपाल यादव जी के साथ

हफ्ते भर में 10 से अधिक मौत! मऊ में अवैध अस्पतालों और फर्जी डॉक्टरों का मुद्दा

मऊ। डॉक्टरों को धरती पर भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। अर्थात जीवनदाता। लेकिन विगत एक सप्ताह में पूरे जनपद में विभिन्न अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों के मौत के आंकड़ों ने सभी को झकझोर कर रख दिया। चाहे शहर के बलिया मोड़ स्थित हाई टेक अस्पताल में प्रसूता के मौत का मामला हो या सुदूर ग्रामीण इलाके फतेहपुर मंडाव के निजी अस्पताल में प्रसूता के मौत का मामला। फिर शहर के बीचोबीच रुद्रा हॉस्पिटल में लड़की के मौत का मामला या फिर मोहम्मदाबाद गोहना स्थित रीमा हॉस्पिटल में 10 महीने पूर्व हुई शादी के नवविवाहिता के मौत का मामला। जिले में लगातार हुई घटनाओं ने सभी को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया और अंतरात्मा ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर ये अस्पताल शहर के बीचोंबीच प्रशासन के नाक के नीचे किसके सह पर संचालित हो रहे? और इन सभी मौतों का वास्तविक जिम्मेदार कौन है? सिर्फ झोलाछाप डॉक्टर या फिर कोई और?जिले में विकास के श्रेय को लेकर सियासी जंग तो ऐसे जारी है जैसे आजादी के लड़ाई को लेकर जंग जारी हो। जनपद मऊ में चार विधानसभा सीटें हैं, जिनमें मधुबन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा और बसपा की सरकारों में मंत्री रहे और कई प्रदेशों के राज्यपाल रहे एक महामहिम के सुपुत्र घोसी के बाद सत्ताधारी दल के मधुबन से विधायक हैं।वहीं मोहम्मदाबाद गोहना की बात की जाए तो कभी बसपा के कद्दावर नेता और सरकार में मंत्री रहे एक माननीय वर्तमान में समाजवादी पार्टी के बैनर से विधायक हैं। वहीं घोसी विधानसभा क्षेत्र से तो एक ऐसे विधायक हैं जो खुद को सपा सुप्रीमो का करीबी और उनके समर्थक वर्तमान मुख्यमंत्री का भी करीबी बताते हैं। सूबे के राजनीति की सबसे चर्चित सीट मऊ सदर के विधायक का तो विवादों से ऐसे नाता है कि वो जेल से निकलने का नाम ही नहीं ले रहे।वहीं अगर विधानपरिषद सदस्यों की बात की जाए तो स्थानीय निकाय से विधानपरिषद सदस्य भी मऊ जनपद के ही निवासी हैं एवं उनके पूर्व मंत्री पिता भी मुख्यमंत्री के अत्यंत करीबी जाने जाते हैं। वहीं समाजवाद का झंडा लहराने के बाद वर्तमान में भाजपा का झंडा लहराने वाले खुद को मुख्यमंत्री का करीबी बताने वाले स्नातक एमएलसी भी लंबा परिक्षेत्र होने के कारण जिले के स्नातकों के स्वास्थ्य की चिंता नहीं कर पा रहे हैं। वहीं शिक्षकों के विकास की बात करने वाले एक माननीय तो विधायिका के ध्रुव तारा बने नजर आते हैं।

सोनभद्र की डॉ. रचना तिवारी को मिलेगा आदित्य संस्कृति विशिष्ट सम्मान,मध्यप्रदेश में 7 व 8 सितंबर को होगा पंचम अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सांस्कृतिक मासिक पत्रिका आदित्य संस्कृति द्वारा हिंदी

महोत्सव के तहत आयोजित पंचम अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन-2025 का आयोजन 7 और 8 सितम्बर को मां पीतांबरा की नगरी दतिया (म.प्र.) में होगा। जिसमें सोनभद्र की कवयित्री डॉक्टर रचना तिवारी को आदित्य संस्कृति विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मेलन होटल ब्लू स्टार, सीतासागर के समीप आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय आयोजन में कवि सम्मेलन, व्याख्यान, विमोचन, परिचर्चा और पर्यटन जैसे विविध कार्यक्रम शामिल रहेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन 7 सितम्बर की सुबह 9 बजे होगा। इस आयोजन के मुख्य संरक्षक पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा होंगे। विशेष अतिथि के रूप में सोनभद्र की जानी-मानी कवयित्री और शिक्षाविद् डॉ. रचना तिवारी शिरकत करेंगी। जनपद सोनभद्र की साहित्यकार डॉ. रचना तिवारी को इस अवसर पर आदित्य संस्कृति विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आदित्य संस्कृति पत्रिका ने वर्ष 2020 में उन पर विशेषांक प्रकाशित किया था। उनकी मौलिकता और साहित्यिक योगदान को देखते हुए यह सम्मान प्रदान किया जा रहा है। डॉ. तिवारी के अब तक नौ काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। उनके सम्मानित होने से सोनभद्र के साहित्यकारों और साहित्य प्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने वालों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कारवाई करे केंद्र सरकार-राकेश शरण मिश्र

(संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने भारत सरकार को लिखा पत्र)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विगत दिनों बिहार प्रदेश को पत्र लिखकर अपशब्द भाषा का प्रयोग करने वाले दोषी व्यक्तियों के

में एक बड़े मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल की रैली में देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंच से अपशब्द और अत्यंत आपत्तिजनक संबोधन करने पर अधिवक्ताओं के राष्ट्रीय संगठन संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ने इस पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसकी घोर निंदा की है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने इस शर्मनाक घटना का संज्ञान लेते हुए भारत सरकार विरुद्ध कठोर से कठोर कारवाई की मांग की है। श्री मिश्र ने पत्र में मांग की है कि भारत के प्रधानमंत्री के विरुद्ध आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने वाले प्रत्येक दोषियों के विरुद्ध देश द्रोह का मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोर करवाई करनी चाहिए जिससे दुबारा देश के प्रधानमंत्री के विरुद्ध कोई भी ऐसी घटिया भाषा का प्रयोग करने की जुर्रत ना कर सके।

तरुण महिला केसरवानी क्लब ने किया तीज महोत्सव का आयोजन

सोनभद्र। तरुण महिला केसरवानी क्लब के तत्वाधान में रविवार की देर शाम को नगर स्थित विवेकानंद प्रेक्षागृह में तीज महोत्सव का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के पदाधिकारियों ने श्री गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। और इसके बाद श्री गणेश वंदना का गायन किया गया। इस अवसर पर तीज क्वीन प्रतियोगिता, नृत्य- संगीत, लोकगीत गायन, रैम वॉक, सहित विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें कि पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।इस अवसर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही तरुण महिला केसरवानी क्लब की जिला अध्यक्ष श्वेता केसरी ने बताया कि तीज का त्यौहार खासतौर पर महिलाओं, बहुओं, बेटियों और बहनों का त्यौहार है। जो कि हमारी सांस्कृतिक, धार्मिक परंपरा को दर्शाता है। जिसे बड़े ही आस्था- भाव के साथ मनाया जाता है। वहीं कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन और नृत्य प्रतिस्पर्धा और लजीज व्यंजन रहा। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से तरुण महिला केसरवानी क्लब की जिलाध्यक्ष श्वेता केशरी, जिला महासचिव शालू केसरी, जिला उपाध्यक्ष शालनी केसरी, जिला कोषाध्यक्ष बिना केसरी, जिला संगठन मंत्री प्रीति केसरी, जिला मंत्री श्वेता केसरी, पूजा केसरी, सौम्या केसरी, प्रियंका, नेहा, रश्मि, रेखा, शिल्पी केसरी, कल्पना केसरी सोनी केसरी, स्नेहा केसरी, अर्चना केसरी, सीमा, श्रद्धा सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

देश-भर में 'गणेश उत्सव' की धूम हैःडॉ धर्मवीर तिवारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को बुथ संख्या 14 पर भाजपा के पूर्व

जिलाअध्यक्ष धर्मवीर तिवारी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ से हुई तबाही पर दुख और पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं देश की परीक्षा ले रही हैं। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 125वें एपिसोड में उन्होंने अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर देशवासियों से वोकल फॉर लोकल की अपनी अपील दोहराई। उन्होंने टैरिफ का जिक्र किए बिना इशारों-इशारों में देशवासियों से इससे खिलाफ लड़ाई में आत्मनिर्भरता को हथियार बनाने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा कि इस समय देश-भर में 'गणेश उत्सव' की धूम है। आने वाले दिनों में बहुत सारे त्योहारों की रौनक होगी। इन त्योहारों में आपको स्वदेशी की बात कभी भी भूलनी नहीं है। पीएम मोदी बोले- गर्व से कहो 'ये स्वदेशी है' पीएम मोदी ने कहा कि इस समय देश-भर में 'गणेश उत्सव' की धूम है। आने वाले दिनों में बहुत सारे त्योहारों की रौनक होगी। इन त्योहारों में आपको स्वदेशी की बात कभी भी भूलनी नहीं है। उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो, रौशनी वही जो भारत में बनी झालरों से हो और भी ऐसा बहुत कुछ, जीवन की हर जरूरत में सब कुछ स्वदेशी हो। गर्व से कहो 'ये स्वदेशी है', गर्व से कहो 'ये स्वदेशी है', गर्व से कहो 'ये स्वदेशी है। इस भाव को लेकर हमें आगे चलना है। एक ही मंत्र 'वोकल फॉर लोकल', एक ही रास्ता 'आत्मनिर्भर भारत', एक ही लक्ष्य 'विकसित भारत'।' 'जहां स्वच्छता है, वहां त्योहारों का आनंद भी और बढ़ जाता है' उन्होंने कहा कि खुशियों के बीच आप सभी स्वच्छता पर जोर देते रहें, क्योंकि जहां स्वच्छता है, वहां त्योहारों का आनंद भी और बढ़ जाता है। साथियों, 'मन की बात' के लिए मुझे इसी तरह बड़ी संख्या में अपने संदेश भेजते रहिए। आपका हर सुझाव इस कार्यक्रम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपना फीडबैक मुझ तक जरूर पहुंचाते रहें। अगली बार जब हम मिलेंगे तो और भी नए विषयों की चर्चा होगी। इस मौके पर सभासद विनोद सोनी, राजू तिवारी, योगेश सिंह,आशीष श्याम सोनी,रिशु, संतोष अरुण, संदीप पटेल,अश्वनी आदि कार्यकताओं के साथ मोदी जी के मन की बातों को सुना गया।

अलग राज्य सोनांचल बने विकास संभव नहीं: रोशन लाल यादव, विधानसभा चुनाव 2027 में सोनांचल संघर्षवाहिनी का प्रत्याशी लड़ेगा चुनाव

रॉबर्ट्सगंज ब्लाक के रौप घसिया बस्ती में आंदोलन की रणनीति बनाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनांचल संघर्ष वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट

रोशन लाल यादव ने रविवार को रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक के घसिया बस्ती के आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि बिना अलग राज्य सोनांचल बने सोनांचल का चौमुखी विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सोनांचल के आदिवासियों का कोई पुरसहाल नहीं है। आजादी के बाद से ही आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन शोषणवादी ताकतें लगातार छीन रहीं हैं, इन पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। आज भी सोनांचल के आदिवासियों को पक्का घर और बिजली नहीं मिल सकी। महामहिम राष्ट्रपति महोदय के गजेटियर के मुताबिक जो आदिवासी पच्चीस साल से अपने जल, जंगल और जमीन पर काबिज हैं उन्हें समुचित विस्थापित किए उनको पूर्ण रूप से बेदखल नहीं किया जा सकता है, लेकिन सोनांचल में वन विभाग इसका अनुपालन नहीं कर रहा है न ही सरकार उन्हें उक्त भूमि पर पट्टा देने की पहल कर रहा है। दूसरी तरफ सोनांचल के बेरोजगारों के लिए सोनांचल की निजी कंपनियों में संविदा पर आई नौकरियां भी दलालों और संगठित माफियाओं के इशारे पर बाहरी लोगों को नौकरियां बेच दी गई, जिला प्रशासन मूक दर्शक की भूमिका निभाता रहा, भर्ती प्रक्रिया की एक गाइड लाइन तक जिला प्रशासन नहीं बनवा पाया इससे बड़ा शर्मनाक विषय क्या हो सकता है। बदले में विस्थापित बेरोजगार जो अपने हक की बात कर रहे उनके ऊपर संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज कर उत्पीड़न किया जा रहा है।। आज सोनांचल के गांवों की सड़कें इतने जर्जर हालात में हैं कि चलने लायक नहीं हैं। सोनांचल का विकास दर आज शून्य पर पहुंच चुका है जनप्रतिनिधि अपने अपने विकास का डंका पीट रहे हैं। रोशन लाल यादव ने यह भी कहा कि सोनांचल संघर्ष वाहिनी आने वाले 2027 के विधान सभा चुनाव में अपने दम पर अलग राज्य सोनांचल बनाने के मुद्दे पर सोनांचल की सभी सीटों पर जोरदार तरीके से लड़ेगी, गठबंधन के भी दरवाजे खुले रहेंगे। सोनांचल अलग राज्य बने इसके लिए जल्द सोनाचल संघर्ष वाहिनी सोनांचल में सोनांचल व्यापी जन आंदोलन करेगी।

भारतीय जीवन बीमा निगम का मना 69 वां स्थापना दिवस, शाखा प्रबंधक डाक्टर संजय कुमार सिंह ने दिलाया शपथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार एक सितंबर को भारतीय जीवन बीमा निगम के 69 वें स्थापना दिवस पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए शाखा रावर्ट्सगंज के शाखा प्रबंधक डाक्टर संजय कुमार सिंह ने उपस्थित कर्मचारियों, बीमा और बीमा सेवा पर विस्तार से चर्चा किया। शाखा प्रबंधक सीएल?आईए सर्वेश जिज्ञासु एवं सहायक शाखा प्रबंधक अजय कुमार ने भी बीमा और संस्था के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना 1 सितंबर 1956 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा किया गया। संस्था का उद्देश्य था कि संस्था के माध्यम से समाज के हर वर्ग को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सके।। दीप प्रज्वलन के दौरान पूर्वांचल अभिकर्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने बीमा को आम आदमी की जरुरी जरूरत बताते हुए कहा कि घर परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घर के प्रत्येक मुखिया को बीमा अवश्य कराना चाहिए। इस अवसर पर विकास अधिकारी शिव चरण यादव, पंचदेव पटेल, क्षितिज कुमार, मुख्य बीमा सलाहकार अशोक पाण्डेय, वीरेश सिंह, विपिन सिंह, अधिकारी/कर्मचारी अनिल कुमार, राजकुमार गिरी, संजय गुप्ता, सुदिप्तो घोष, प्रेमनाथ तिवारी, सुरेन्द्र सिंह, ज्योति अस्थाना, पूजा, परमानंद सिंह, श्रीराम , श्रवण कुमार, सत्यम मिश्रा, अतुल पाठक, संजय गुप्ता एवं बीमा सलाहकार संतोष तिवारी, कन्हैया पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय, सुनील कुमार, अनिल कुमार, दीपक यादव, रंजीत कुमार सहित दर्जनों बीमा धारक भी उपस्थित रहे।

विकास अधिकारियों एवं अभिकर्ताओं को निगम एवं निगम ध्वज के प्रति पुर्ण निष्ठा का शपथ दिलाते हुए संबोधित किया। शाखा प्रबंधक डाक्टर संजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम आम आदमी से लेकर समाज में खास लोगों तक की आर्थिक संप्रभुता एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का आसान एवं श्रेष्ठ विकल्प है। डाक्टर सिंह ने

राधा अष्टमी पर हुआ संकीर्तन, राधा रानी का सजा दिव्य दरबार,बांके बिहारी मंदिर में धूम धाम के साथ मनाया गया राधा अष्टमी का पर्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर के

रामलीला मैदान में स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में रविवार को राधा अष्टमी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। राधा रानी के जन्मोत्सव पर देर शाम तक चले कार्यक्रम में श्रद्धालुओं द्वारा हरि नाम संकीर्तन, राधा नाम जप किया गया। जिसे सुनकर वहां उपस्थित लोग भाव विभोर हो उठे। इसके बाद महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक जितेंद्र कुमार सिंह, पवन जैन, प्रमोद गुप्ता, राम प्रसाद यादव, राकेश गुप्ता, आनंद मिश्रा, धीरज जलान, सचिन गुप्ता, धर्मेंद्र, बचउ पांडे, मनोज, आशीष अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

70 मरीजों का निःशुल्क आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। निःशुल्क 70 मरीजों का (एम0डी0-पंचकर्मा द्वारा 70 मरीजों का आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया होता है लेकिन लीवर किडनी में गंभीर नुकसान मरीजों उठाना पड़ता

आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया गया, ज्वाइंट पेनष्ट पेट से परेशान ष्टत्वचा व पाचन तंत्र व अन्य रोगियों का इलाज किया गया,आज जेल स्टेडियम के पास इतिशा पाली केयर सेन्टर रायबरेली द्वारा पूर्व नियोजित, निःशुल्क परामर्श शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें वैध निशा सिंह गया साथ में दवा निःशुल्क वितरित की गयी। वैध निशा सिंह ने बताया कि सबसे जायदा मरीज पेट की समस्या वाले रोगी का। उपचार किया और फिर ज्वाइंट पेन घुटनों से पीड़ित रोगी आयुर्वेद दवाई व जेल ट्यूब लगाने को दिया गया वैध निशा ने कहा कि समाज को एलोपैथिक दवाए फायदा तो तुरंत है इसलिए आयुर्वेद से लाभ भी मिलता है कोई साइडफेक्ट नहीं और बीमारी जड़ से खत्म होती है. निःशुल्क शिविर में इतिशा पाली केयर सेन्टर के सचालक अवशरण वर्मा जी का सफल प्रेम प्रकाश सिंह तथा दवा प्रतिनिधि मनीष श्रीवास्तव और स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा।

अमेरिकी टैरिफ के असर से देश को बचाए सरकार, आजीविका पर संकट को हल करने में मदद की जाए, रोजगार अधिकार अभियान की वर्चुअल बैठक में लिया गया प्रस्ताव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अमेरिका की ट्रम्प सरकार

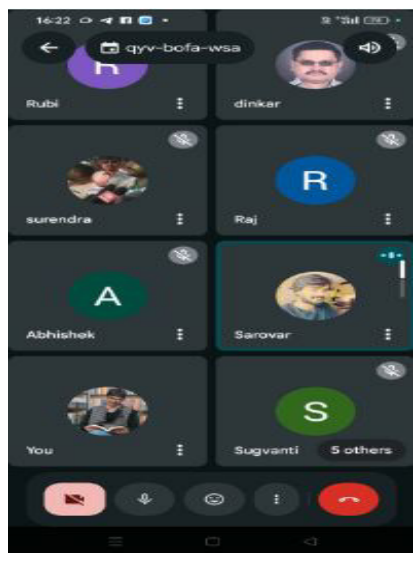

द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर और लाखों लोगों की आजीविका पर आसन्न संकट से बचाने के लिए सरकार पहल करे। घरेलू बाजार को मजबूत करने, लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने, संकटग्रस्त उद्योगों को बाजार मुहैया कराने व उन्हें आर्थिक मदद देने, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धा लायक तकनीक विकसित करने और टैरिफ के कारण बेरोजगार हो रहे मजदूरों की जीवन रक्षा के लिए बेकारी भत्ता देने जैसी कार्रवाई सरकार की तरफ से करने की आज जरूरत है। यह मांग सोमवार को रोजगार अधिकार अभियान की राष्ट्रीय संचालन समिति की वर्चुअल बैठक में उठी। बैठक में विभिन्न वक्ताओं ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अमेरिका और यूरोप पर निर्भर रहकर आर्थिक तरक्की के रास्ते ने हमारे देश की आर्थिक सम्प्रभुता को गहरा नुकसान पहुंचाया है। हमारे सम्बंध मित्र देशों के साथ खराब हो गए और हमें दुनिया में अलगाव का सामना करना पड़ रहा है। आज आवश्यकता है कि हम पड़ोसी मुल्कों और दक्षिण एशियाई देशों के साथ अपने सम्बंध बेहतर करें और अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के कृषि, एमएसएमई और कल कारखानों को मजबूत करें। सरकारी विभागों में खाली पड़े 1 करोड़ पदों को भरने और हर नौजवान को रोजगार की संवैधानिक गारंटी देकर लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाई जाए। इससे ही देश को मंदी की चपेट में आने से बचाया जा सकेगा। बैठक में कर्नाटक विद्यार्थी संघ के सरोवर ने वहां जमीन अधिग्रहण के सवाल पर लम्बे चले आंदोलन के बाद मिली जीत और वहां जारी छात्र आंदोलन के बारे में रिपोर्ट रखी। रोजगार अधिकार अभियान के कोआर्डिनेटर राजेश सचान ने विगत एक पखवाड़े से दिल्ली में रोजगार अधिकार अभियान के तत्वावधान में छात्रों व नागरिकों से किए सघन संवाद के अनुभवों को साझा किया। सोनभद्र की आदिवासी युवतियों ने प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय स्कूलों को बंद करने पर ली गई पहल की रिपोर्ट रखी। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर ने बताया कि बैठक में अभियान के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर राजेश सचान, कर्नाटक विद्यार्थी संघ के सरोवर, गुजरात से विपुल राठवा, अभियान के यूपी कोआर्डिनेटर सुरेन्द्र पांडेय, लखनऊ से पूजा विश्वकर्मा, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रियांशु पाल, प्रयागराज से अर्जुन प्रसाद, सोनभद्र से सविता गोंड, रूबी सिंह गोंड, अभिषेक, जमशेद अली, गुंजा गोंड, ललित सिंह आदि लोगों ने अपनी बात रखी।

भाजपा कांग्रेस आमने-सामने हुआ जमकर विरोध प्रदर्शन, दोनों दलों के नेतृत्व कर रही महिला मोर्चा लगाए एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला मुख्यालय पर आज भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गए। मामला सीधे तौर पर जुड़ा है बिहार के दरभंगा में उस मंच से, जहाँ राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं की

मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की वायरल वीडियो को लेकर मामला गरमाया वही, उसी घटना के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा ने जोरदार प्रदर्शन किया,लेकिन कांग्रेस भी पीछे नहीं रही। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच जिला मुख्यालय का माहौल घंटों तक गरमाया रहा। बता दे कि बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की मौजूदगी में मंच से पीएम मोदी और उनकी दिवंगत माता के खिलाफ की गई गाली का वीडियो जब वायरल हुआ, तो इसका असर सोनभद्र तक पहुंचा। इसी कड़ी में भाजपा महिला मोर्चा, जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह व पूर्व विधायक नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय से जुलूस निकालकर कांग्रेस कार्यालय पहुंची। महिला मोर्चा ने नारेबाजी की और कांग्रेस के खिलाफ कड़ा आक्रोश जताया। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौके पर डटे रहे। दोनों दल आमने-सामने आ गए, नारेबाजी तेज होती चली गई। हालात को भांपते हुए पुलिस प्रशासन ने भारी फोर्स तैनात कर दिया। नजाकत को देखते हुए कई बड़े पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस केवल उन पर दबाव बना रही है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राम राज गोंड ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा महिला मोर्चा ने राहुल गांधी के बैनर पर चप्पल से पिटाई कर लोकतांत्रिक मर्यादाओं की खुलेआम धज्जियां उड़ाई हैं। उनका कहना था कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और उनके श्रृंगार, लिपस्टिक-लाली को निशाना बनाकर जिस तरह अमर्यादित विरोध किया गया, वह बेहद निंदनीय है। कांग्रेस ने पलटवार करते हुए भाजपा महिला मोर्चा का भी जमकर विरोध किया। दोनों तरफ से हुए इस प्रदर्शन में कांग्रेस का आरोप रहा कि प्रशासनिक दबाव में उनके विरोध को दबाने की कोशिश की गई। भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी के बीच हालात तो काबू में रहे, लेकिन जिला मुख्यालय पर भाजपा और कांग्रेस के इस आमने-सामने प्रदर्शन ने माहौल जरूर गरमा दिया।

क्या आपको बहुत ज्यादा जम्हाई आती हैः हो सकता है इन 7 हेल्थ प्रॉब्लम्स का संकेत

नयी दिल्ली। जम्हाई लेना हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यह अक्सर थकान, नींद या बोरियत की वजह से होती है। लेकिन अगर लगातार और बिना

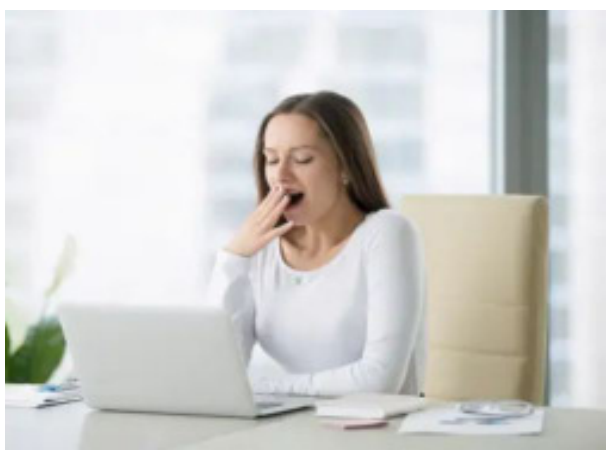

किसी वजह के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो यह हार्ट डिजीज से लेकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर तक किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती है। कभी-कभार ऐसा होना तो सामान्य है। लेकिन अगर नियमित रूप से बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि कुछ आसान उपायों से इससे राहत मिल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, जम्हाई आराम की भावना से जुड़ी होती है। इसे लंबे समय से बोरियत का संकेत माना जाता रहा है। यह संक्रामक भी है क्योंकि जम्हाई के बारे में देखने, सुनने, पढ़ने या यहां तक कि सोचने से भी जम्हाई आ सकती है। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से। सवाल जवाब के

माध्यम से- सवालः जम्हाई क्या है? जवाब- जम्हाई वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपना मुंह चौड़ा खोलकर गहरी सांस अंदर लेता हैं और फिर छोड़ता है। यह ज्यादातर अनजाने में होती है यानी इसे रोकना मुश्किल होता है। अंग्रेजी में इसे ऑसीटेशन कहा जाता है। एक जम्हाई लगभग 4-7 सेकेंड तक चलती है और इसमें गले, मुंह और चेहरे की मांसपेशियां खिंचती हैं। यह अक्सर थकान, नींद या ऊब के कारण होती है। सवाल- उबासी या जम्हाई आने के क्या कारण हैं? जवाब- इसके कई कारण हो सकते हैं, जो अक्सर शरीर और ब्रेन की जरूरतों से जुड़े होते हैं। नींद की कमी- जब पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो शरीर थकान महसूस करता है। इस थकान को दूर करने और शरीर को जगाए रखने के लिए उबासी आती है। मानसिक थकान या बोरियत- जब आप किसी नीरस काम में लगे होते हैं या दिमाग थक जाता है तो उबासी आ सकती है। यह दिमाग को फिर से एक्टिव करने का एक तरीका हो सकता है।ऑक्सीजन की कमी- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने पर भी उबासी आती है ताकि फेफड़ों में ज्यादा हवा भरी जा सके और ब्रेन तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंच सके। संक्रामक उबासी- किसी दूसरे व्यक्ति को उबासी लेते हुए देखने या सुनने पर हमें भी उबासी आ सकती है। यह सामाजिक व्यवहार का एक हिस्सा माना जाता है। कुछ दवाओं के कारण- कुछ खास दवाएं जैसे कि डिप्रेशन या दर्द की दवाएं भी उबासी का कारण बन सकती हैं।सवाल- बहुत ज्यादा जम्हाई किन स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकती है? जवाब- भले ही जम्हाई आने के सबसे आम कारण थकान, सुस्ती या बोरियत हों। लेकिन यह कुछ अंदरूनी समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है। ऑक्सीजन की कमी- फेफड़ों से जुड़ी बीमारी या स्लीप एप्निया जैसी स्थितियां शरीर में ऑक्सीजन के लेवल को कम कर सकती हैं, जिससे ज्यादा ऑक्सीजन लेने के लिए बार-बार जम्हाई आती है। आयरन की कमी- शरीर में आयरन की कमी होने पर खून में ऑक्सीजन का संचार ठीक से नहीं हो पाता है। इस कमी को पूरा करने के लिए शरीर ज्यादा जम्हाई लेता है। मेटाबॉलिक या लिवर प्रॉब्लम्स- लिवर फेलियर या मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी भी ज्यादा थकान और जम्हाई का कारण बन सकती है। हार्ट संबंधी समस्याएं- कुछ मामलों में बहुत ज्यादा जम्हाई का संबंध हार्ट डिजीज से हो सकता

है। यह वेगस नर्व के उत्तेजित होने के कारण हो सकता है। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर- मिर्गी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस या ब्रेन ट्यूमर जैसे न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर भी ब्रेन के संकेतों को प्रभावित कर सकती हैं। इससे जम्हाई की प्रक्रिया असामान्य हो जाती है। स्लीप डिसऑर्डर-स्लीप एप्निया के कारण भी बार-बार जम्हाई आ सकती है क्योंकि शरीर को अनिद्रा या दिन के दौरान अचानक आने वाली नींद से जूझना पड़ता है। मेंटल हेल्थ इशू- एंग्जाइटी या स्ट्रेस भी बार-बार जम्हाई का कारण बन सकते हैं क्योंकि शरीर भावनात्मक तनाव पर प्रतिक्रिया करता है। सवाल- किस स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- अगर जम्हाई के साथ कुछ अन्य लक्षण भी हों तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। जैसेकि- सीने में दर्द, चक्कर आना या सांस लेने में दिक्कत होना। कमजोरी, सुन्नता या अचानक संतुलन खोना। धुंधला दिखना, कन्फ्यूजन या बोलने में लड़खड़ाहट होना। गंभीर सिरदर्द या बेहोश होना। सवाल- कौन सी चीजें जम्हाई को ट्रिगर कर सकती हैं? जवाब- थकान, भूख, तनाव और किसी को जम्हाई लेते देखना, ये सभी जम्हाई को ट्रिगर करते हैं। सवाल- जम्हाई लेते वक्त कभी-कभी आंखों से पानी क्यों निकलता है? जवाब- जम्हाई के दौरान चेहरे की मांसपेशियां जोर से खिंचती हैं। जब ये मांसपेशियां खिंचती हैं तो आंखों के पास मौजूद आंसू की ग्रंथियों पर दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण ग्रंथियों से आंसू निकलने लगते हैं। सवाल- अगर जम्हाई ज्यादा आती है तो इससे राहत पाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- अगर बिना किसी खास कारण के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो कुछ आसान उपायों से इसे कम कर सकते हैं।सवाल- एक दिन में कितनी बार जम्हाई लेना सामान्य है? जवाब- आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति दिन में 5 से 10 बार जम्हाई लेता है, जिसे सामान्य माना जाता है। हालांकि यह संख्या हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है। यह समय, थकान, नींद की पर निर्भर है। अगर दिन में 15 मिनट के अंदर 3 से ज्यादा बार जम्हाई आती है या यह इतनी ज्यादा है कि रोजमर्रा के काम में रुकावट आने लगे तो इसे असामान्य माना जा सकता है। सवाल- बहुत ज्यादा उबासी का इलाज कैसे किया जाता है? जवाब- डॉक्टर इसके पीछे के असल कारण का पता लगाकर सही इलाज की सलाह देते हैं। अगर जम्हाई किसी अंदरूनी बीमारी के कारण आ रही है तो डॉक्टर उस बीमारी का इलाज करेंगे। अगर जम्हाई किसी दवा के साइड इफेक्ट के कारण है तो डॉक्टर उस दवा की खुराक कम कर सकते हैं या कोई दूसरी दवा लिख सकते हैं।

हमारा ब्लड प्रेशर लो क्यों होता है? इन 10 संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज

नयी दिल्ली। आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण लोगों में हाई और लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम होती जा रही है। लो ब्लड प्रेशर को मेडिसिन की भाषा में हाइपोटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है। हालांकि कभी-कभार बीपी का थोड़ा ऊपर-नीचे होना सामान्य है। लेकिन अगर यह अक्सर होने लगे तो गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर अक्सर बिना किसी खास लक्षण के होता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह समस्या कब सामान्य है और कब डॉक्टर के पास जाने की जरूरत होती है। तो चलिए, आज फिजिकल हेल्थ कॉलम में हम लो ब्लड प्रेशर के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लो ब्लड प्रेशर क्या है और ये किन कारणों से होता है? इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?जब हार्ट खून को पूरे शरीर में पंप करता है तो वह नसों की दीवारों पर दबाव डालता है, जिसे ब्लड प्रेशर कहते हैं। अगर यह दबाव सामान्य से कम यानी 90/60 स्सु (मिलीमीटर ऑफ मर्करी) से नीचे चला जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस स्थिति में शरीर के अंगों को पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधला दिखना और कभी-कभी बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब्लड प्रेशर की माप में दो संख्याएं होती हैं। सिस्टोलिक (ऊपरी संख्या): जब दिल खून पंप करता है। डायस्टोलिक (निचली संख्या): जब दिल पंप के बाद विश्राम करता है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति का बीपी लगभग 120/80 स्सु होना चाहिए। जब यह स्तर काफी नीचे चला जाए तो यह शरीर के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत कम होने पर शरीर के अंगों को पर्याप्त

ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधलापन या बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बैठने या खड़े होने के तुरंत बाद ये लक्षण अचानक महसूस होते हैं। ब्लड प्रेशर लो

होने के पीछे डिहाइड्रेशन और हार्ट संबंधी समस्याएं, हॉर्मोनल असंतुलन और खून की कमी समेत कई कारण शामिल हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से भी ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जो आमतौर पर डिलीवरी के बाद अपने आप सामान्य हो जाता है। इसके अलावा गर्म मौसम, तनाव, डर या अचानक दर्द जैसी स्थितियां भी अस्थायी रूप से बीपी कम कर सकती हैं।लो ब्लड प्रेशर का इलाज इसके कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा पानी पीना, धीरे-धीरे उठना और थोड़ा नमक ज्यादा खाना इसमें मददगार हो सकता है। कुछ मामलों में डॉक्टर दवाएं भी लिख सकते हैं। वहीं अगर कोई दवा बीपी को गिरा रही है तो डॉक्टर उसकी खुराक घटा सकते हैं या दवा बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचने के उपाय लो बीपी से बचने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में कुछ बदलाव जरूरी है। लो ब्लड प्रेशर हमेशा खतरनाक नहीं होता है। कुछ लोगों में यह बिना किसी लक्षण के भी हो सकता है। वहीं अगर इससे अक्सर चक्कर, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो यह किसी छिपी हुई स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।अगर आपको चक्कर आना, कमजोरी, धुंधलापन या बेहोशी जैसा महसूस हो तो तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं। अपने पैरों को ऊपर की ओर उठाएं ताकि दिमाग तक ब्लड फ्लो बढ़ सके। गहरी और धीमी सांस लें, घबराएं नहीं। पानी या इंए पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी एक कारण हो सकता है।अगर खाली पेट हैं तो हल्का और जल्दी पचने वाला कुछ खाएं, जैसे बिस्किट या फल। अगर लक्षण बने रहें या बेहोशी जैसा महसूस हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि अगर यह स्थिति बार-बार हो रही है तो इसे मामूली न समझें। यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका जांच और इलाज जरूरी है। डॉ. संजीव अग्रवाल बताते हैं कि हां, खाने-पीने की गलत आदतें लो ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती हैं। पर्याप्त पानी न पीना, शराब का ज्यादा सेवन और बहुत हल्का या अनियमित भोजन करने से बीपी गिर सकता है। खासकर डिहाइड्रेशन की स्थिति में यह और बिगड़ सकता है। हां, नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लो बीपी कंट्रोल में रह सकता है। लेकिन बहुत तेज या हैवी एक्सरसाइज से बीपी गिर सकता है, इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें। अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह दिमाग, दिल और किडनी जैसे अहम अंगों तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई को प्रभावित कर सकता है। इससे बेहोशी, ऑर्गन फेल्योर या शॉक जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सही कारण की पहचान और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

वो स्वार्थी है! ललित मोदी पर भड़के हरभजन सिंह, थप्पड़ कांड वीडियो लीक मामले पर आया रिएक्शन

नई दिल्ली। आईपीएल 2008 में हुए हरभजन सिंह और एस श्रीसंत के बीच का थप्पड़ कांड एक बार फिर से चर्चा में है। हाल ही मे आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट में उस घटना के एक वीडियो को लीक किया, जिसमें ये पूरा मामला कैद हुआ था। इस वीडियो पर श्रीसंत की पत्नी ने ललित मोदी को खूब सुनाय। वहीं अब हरभजन सिंह की भी लीक वीडियो पर पहली प्रतिक्रिया आई है। हरभजन सिंह

ने एक इंटरव्यू में कहा, 'जिस तरह से यह वीडियो लीक किया गया है वह गलत है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। इसके पीछे उनका कोई स्वार्थ हो सकता है। 18 साल पहले हुई जिस घटना को लोग भूल चुके हैं ये उसे फिर से लोगों को याद दिला रहे हैं। ये पूरी तरह से गलत है।'हरभजन के साथ हुए थप्पड़ कांड पर श्रीसंत ने कई बार सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उस घटना को भुलाकर दोनों बीच अच्छी दोस्ती भी हो गई, लेकिन ललित मोदी द्वारा 18 साल पुराने वीडियो को सोशल मीडिया पर जारी करने के बाद एक बार फिर फैंस के मन में यह घटना ताजा हो गई है। हरभजन ने उस घटना को लेकर रहा, 'जो कुछ हुआ उसके लिए मुझे बुरा लगता है। हम खेल रहे थे और हर किसी के दिमाग में कुछ न कुछ चल रहा था। गलतियां हुईं और हमें उस पर शर्मिंदगी महसूस होती है।'

बारिश में एसी से आती है बदबू,सीलन, फंगस समेत हो सकते हैं ये 7 रिस्क, मानसून में बरतें 6 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जहां सभी ऋतुएं होती हैं। इनमें मानसून बेहद सुकून देने वाला मौसम है। इस मौसम में भी कुछ लोग एसी (एयर कंडीशनर) का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसकी देखभाल और बदली हुई जरूरतों को नजरअंदाज कर देते हैं। नतीजतन सीलन, फंगस, बदबू, बिजली बिल में इजाफा और कई बार एसी में खराबी तक आ जाती है। इसलिए गर्मी की तुलना में मानसून में एसी की देखभाल कहीं ज्यादा जरूरी होती है। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो छोटा-सा फॉल्ट बड़ी परेशानी बन सकता है।मानसून में एसी इस्तेमाल करना इसलिए सहीं नहीं हैं मानसून में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो एसी की कार्यक्षमता पर असर डालती है। अगर समय पर सफाई और सर्विसिंग न हो तो एसी में फंगस, बैक्टीरिया और धूल जमा हो सकती है। इससे हवा दूषित हो जाती है, जो एलर्जी, सिरदर्द या सांस की समस्या का कारण बन सकती है। साथ ही नमी के कारण कूलिंग कॉइल और फिल्टर जल्दी गंदे होते हैं, जिससे बिजली की खपत बढ़ती है और कूलिंग कमजोर हो जाती है। कई बार एसी से पानी टपकने लगता है, जिससे दीवारें भी खराब हो सकती हैं। इसलिए मानसून में एसी की देखभाल पर खास ध्यान देना जरूरी है। अगर एसी का फिल्टर गंदा हो या पानी बाहर निकालने वाली पाइप बंद हो जाए तो नमी कमरे में जमा होने लगती है। बहुत ठंडा टेम्परेचर रखने से भी दीवारों और खिड़कियों पर पानी जम सकता है, जिससे सीलन बढ़ जाती है। इसलिए मानसून में एसी की सफाई जरूरी है और टेम्परेचर ज्यादा कम नहीं रखना चाहिए।मानसून में एसी को सिर्फ चलाना ही नहीं, बल्कि उसकी देखभाल भी जरूरी है। इससे वह लंबे समय तक सही काम करेगी। साथ ही बिजली की बचत भी होगी। नीचे दिए गए कुछ आसान और कारगर तरीकों को अपनाकर आप अपने एसी की परफॉर्मेंस को बेहतर बना सकते हैं। मानसून में लगातार बढ़ती नमी, बारिश और गंदगी की वजह से एसी के कुछ खास हिस्से जल्दी प्रभावित होते हैं। जैसेकि-एयर फिल्टर बारिश के मौसम में धूल की वजह से एयर फिल्टर पर जल्दी गंदगी जम सकती है। इसलिए हर 10-15 दिन में फिल्टर को निकालकर धोएं। गंदा फिल्टर हवा की क्वालिटी को खराब कर सकता है और एलर्जी या सांस से जुड़ी परेशानियों का कारण बन सकता है। ड्रेनेज पाइप- मानसून में अक्सर पानी की निकासी में दिक्कत आती है, खासकर अगर पाइप में धूल या काई जम गई हो। पानी सही से न निकलने से इनडोर यूनिट से पानी टपकने लगेगा। यह सीलन और दीवारों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए समय-समय पर ड्रेनेज पाइप को साफ करवाना जरूरी है। आउटडोर यूनिट (फिन्स और पंखा) - बारिश में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़-पतंगे जमा हो सकते हैं। इससे यूनिट के फिन्स और पंखे पर असर पड़ता है और कूलिंग घट जाती है। इसलिए कोशिश करें कि यूनिट छांव या शेड में हो और उसके आसपास सफाई बनी रहे। कूलिंग कॉइल- बारिश में हवा की नमी कॉइल पर जमकर उसे चिपचिपा बना सकती है। इससे कूलिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है और बिजली की खपत बढ़ती है। हर सीजन की शुरुआत में इसकी डीप क्लीनिंग जरूर करवाएं। डक्ट (अगर सेंट्रल एसी है) - मानसून में डक्ट के अंदर नमी और गंदगी फंगस को जन्म देती है। इससे हवा में बदबू और एलर्जी के कण फैल सकते हैं। इसलिए मानसून में डक्ट की सफाई कराना जरूरी है, खासकर बच्चों या अस्थमा के मरीजों के लिए।कुछ लोग 16-18 डिग्री पर एसी चला देते हैं, जिससे कमरे में सीलन और पानी की बूंदें जम सकती हैं। यह सेहत और दीवारों दोनों के लिए नुकसानदायक है। साथ ही बारिश के मौसम में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़े जमा हो जाते हैं, जिससे यूनिट की परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। इन गलतियों से बचकर आप एसी को न सिर्फ सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि बिजली की बचत और बेहतर कूलिंग भी पा सकते हैं।नम मौसम में पूरे दिन एसी चलाना ठीक नहीं है। इससे कमरे में नमी फंस सकती है, जिससे सीलन, बदबू और फंगल इंफेक्शन की समस्या हो सकती है। साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ती है और एसी पर दबाव पड़ता है। बेहतर है कि एसी को ड्राई मोड पर चलाएं, बीच-बीच में कमरे को हवादार करें और जरूरत हो तो सीलिंग फैन का भी इस्तेमाल करें। इससे ठंडक बनी रहेगी और एसी पर लोड भी कम होगा।मानसून में एसी का इस्तेमाल बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित है, लेकिन सही देखभाल और संतुलित इस्तेमाल के साथ। इस मौसम में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो सांस, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ा सकती है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है, इसलिए उन्हें साफ और आरामदायक वातावरण की ज्यादा जरूरत होती है। मानसून में एसी का टेम्परेचर थोड़ा अलग और संतुलित रखना चाहिए। इस मौसम में वातावरण में पहले से ही नमी होती है, इसलिए बहुत कम टेम्परेचर (जैसे 16-20 डिग्री) पर एसी चलाना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए। इससे कमरे में न तो ज्यादा ठंडक होती है और न ही नमी बढ़ती है। साथ ही एसी की परफॉर्मेंस बेहतर रहती है, बिजली की बचत होती है। नहीं, मानसून में एसी की इनडोर यूनिट को अलग से कवर करने की जरूरत नहीं होती क्योंकि यह पहले से ही घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर होती है और मौसम की सीधी मार से बची रहती है। जरूरत कवरिंग की सिर्फ आउटडोर यूनिट को होती है, खासकर तब जब वह खुले में लगी हो और बारिश सीधा उस पर पड़े।

मानसून में कार-बाइक चलाते हुए सावधानः बारिश में बढ़ता एक्सीडेंट का रिस्क, ये 6 गलतियां न करें, 11 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। बारिश का मौसम तपती गर्मी से राहत देता है। लेकिन यह सड़क पर सफर को काफी चुनौतीपूर्ण बना देता है। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी और कीचड़ जमा हो जाता है, जो कई बार वाहन चालकों के लिए खतरा बन जाते हैं। ऐसे में मानसून के दिनों में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। हम बात करेंगे कि बारिश के दौरान वाहन चलाना क्यों रिस्की हो जाता है। सड़कों पर जमी धूल-मिट्टी बारिश के बाद एक फिसलन भरी परत में बदल जाती है। ऐसे में वाहन के फिसलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। साथ ही भीगी सड़कों पर ब्रेक लगाने के लिए सामान्य से अधिक दूरी की जरूरत होती है। इस दौरान अचानक ब्रेक लगाना खतरनाक साबित हो सकता है। तेज बारिश के दौरान विजिबिलिटी बेहद कम हो जाती है। वहीं सड़कों पर जलभराव के कारण गड्ढे नजर नहीं आते। इससे वाहन का बैलेंस बिगड़ सकता है या फिर पानी में फंस सकता है।अपनी और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए मानसून के दौरान वाहन चलाने से पहले उसके कुछ पार्ट्स की जांच जरूर कराएं। जैसेकि- बारिश में फिसलन भरी सड़कों पर सुरक्षित ड्राइविंग के लिए टायर की पकड़ यानी ग्रिप अच्छी होनी चाहिए। इसके लिए टायर का ट्रेड कम-से-कम 3एमएम होना चाहिए। घिसे हुए टायर फिसलन का खतरा बढ़ा देते हैं। साथ ही हर बार वाहन चलाने से पहले टायर प्रेशर भी जरूर चेक कराएं।फिसलन भरी सड़कों पर वाहन की ब्रेकिंग क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे में अगर वाहन का ब्रेक सिस्टम पहले से ही खराब है तो हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए मानसून से पहले ब्रेक पैड, डिस्क और ब्रेक ऑयल की स्थिति की अच्छी तरह जांच करवाएं।भारी बारिश में विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसे बनाए रखने के लिए अच्छे और तेज वाइपर होने चाहिए। घिसे या पुराने वाइपर तुरंत बदल दें।एक्सीडेंट के खतरे से बचने के लिए कम विजिबिलिटी में भी दूसरों को दिखना और दूसरों को देखना दोनों जरूरी है। इसके लिए बारिश से पहले हेडलाइट, टेललाइट और इंडिकेटर जरूर चेक कराएं।कार की विंडशील्ड पर धुंध जमने से विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसलिए मानसून से पहले डिफॉगर और एयर कंडीशनिंग सिस्टम को पूरी तरह से फिट रखें।बारिश में वाहन चलाने के दौरान छोटी सी भी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में चाहे आप कार चला रहे हों या बाइक, इस मौसम में सतर्क रहना जरूरी है।भीगी सड़कों पर तेज रफ्तार से वाहन चलाना बेहद खतरनाक हो सकता है। बारिश में टायरों की पकड़ कम हो जाती है, जिससे अचानक ब्रेक लगाने पर वाहन फिसल सकता है या कंट्रोल खो सकता है। इसलिए बारिश में हमेशा अपनी स्पीड कम रखें और सामने वाले वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।अचानक ब्रेक लगाने या तेजी से स्टीयरिंग घुमाने से वाहन स्किड कर सकता है, खासकर जब सड़क पर पानी जमा हो। इसलिए हल्के और धीरे-धीरे ब्रेक लगाएं और मोड़ों पर सावधानी से स्पीड कम करें।बारिश में वाहन चलाते समय जब पता न हो कि पानी कितना गहरा है तो जलभराव वाले रास्तों से गुजरने की कोशिश न करें। गहरे पानी में वाहन बंद हो सकता है, इंजन में पानी जा सकता है या आप कंट्रोल खो सकते हैं। इसके लिए अगर संभव हो तो वैकल्पिक रास्ता चुनें।कम विजिबिलिटी में खासकर भारी बारिश या कोहरे में, हेडलाइट्स का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। सिर्फ यह आपको रास्ता देखने में मदद नहीं करता, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि अन्य ड्राइवर आपको देख सकें। फॉग लाइट्स हों तो उनका भी इस्तेमाल जरूर करें।बारिश में ओवरटेक करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है। भीगी सड़क और कम विजिबिलिटी में सही निर्णय लेना मुश्किल हो सकता है। इसलिए ओवरटेक करने की जल्दबाजी न करें और अन्य वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमेशा खतरनाक होता है। लेकिन मानसून में यह और भी ज्यादा जोखिम भरा हो जाता है। इसलिए ड्राइविंग के दौरान फोन का इस्तेमाल करने से बचें और अपना पूरा ध्यान सड़क पर रखें। हमेशा याद रखें, सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।बारिश में पैदल सड़क पर निकलते समय कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतनी चाहिए। जैसेकि- बारिश से बचने के लिए छाता या रेनकोट का इस्तेमाल करें। बाहर निकलते समय चमकदार या गहरे रंग के रंग के कपड़े पहनें। ऐसे जूते पहनें, जो फिसलन और पानी से बचा सकें। काले रंग के छाते की बजाय चमकदार रंग का छाता चुनें, जो दूर से ही नजर आए। अगर फुटपाथ पर पानी जमा है तो धीरे चलें और हर कदम सावधानीपूर्वक रखें। अगर सड़क पर पानी जमा है और आपको गहराई का अंदाजा नहीं है तो उस रास्ते से बचें। पानी भरे रास्तों पर चलते समय वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। हमेशा बिजली के खंभों और तारों से दूरी बनाए रखें। जब सड़क पार कर रहे हों तो अतिरिक्त सावधानी बरतें। चलते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

'डिंग डॉन्ग'.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे' क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस शनिवार को जब बेंगलुरु में 'ग्रीन लाइन' मेट्रो सर्विस के बाजारहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई। यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है। उतरने को बेताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए! इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बेंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरु किया, जैसे वो किसी ऐसे 'घोड़े बेचके सोने वाले' रूममेट को जगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे यह पता नहीं कि घर में आग लगी है। धक्कामुक्की और हंगामे से डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे ही उसने सावधानी से अपने केबिन का गेट खोला, उसके सामने गुस्साए यात्री खड़े थे, जो इस बात का जवाब

मांग रहे थे कि क्यों उन्हें पिछले स्टेशन पर नहीं उतरने दिया गया। इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा। पायलट ने यात्रा फिर शुरू की और अगले स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। वही आंदोलनरत यात्री तत्काल इकट्ठा हो गए, पायलट के केबिन की ओर भागे और प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर उससे गलती के लिए स्पष्टीकरण मांगने लगे।उनमें से कुछ पिछले स्टेशन पर वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कह रहे थे। लोको पायलट ने पूरा मामला स्टेशन कंट्रोलर को रिपोर्ट किया, जिसने आकर स्थिति संभाली और वापसी की यात्रा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में यथासंभव सहायता की।

भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरुआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिससे हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था।कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

अब गाजा में युद्ध का अंत चाहते हैं इजराइल के लोग

मैं इजराइल में एक सप्ताह बिताकर लौटा हूं और मैंने वहां 7 अक्टूबर 2023 के बाद पहली बार कुछ नया महसूस किया। इसे एक व्यापक युद्ध-विरोधी आंदोलन कहना तो जल्दबाजी होगी, क्योंकि वह तभी हो सकता है जब सभी इजराइली बंधकों को रिहा कर दिया जाए। लेकिन मैंने इस बात के स्पष्ट संकेत देखे कि बहुतेरे इजराइली लोग- फिर चाहे वे किसी भी विचारधारा के क्यों न हों- इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि यह युद्ध जारी रखना इजराइल के लिए एक आपदा है : नैतिक के साथ ही कूटनीतिक या रणनीतिक रूप से भी।पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओलमर्ट ने समाचार पत्र हारेत्ज में एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके गठबंधन की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ओलमर्ट ने कहा कि इजराइल की सरकार बिना किसी उद्देश्य, लक्ष्य या स्पष्ट योजना के और किसी सफलता की संभावना के बिना ही युद्ध लड़ रही है। उन्होंने कहा, हम गाजा में जो कर रहे हैं, वह विनाशलीला है : नागरिकों की अंधाधुंध, असीमित, क्रूर और आपराधिक हत्या। उनका निष्कर्ष था कि हां, इजराइल युद्ध-अपराध कर रहा है।नेतन्याहू की अपनी दक्षिणपंथी पार्टी के सदस्य एमिट हलेवी जैसे लोग- जो कि युद्ध के कट्टर समर्थक रहे हैं- को लगता है कि क्रियान्वयन में गड़बड़ी हो रही है। हलेवी की विदेश मामलों और रक्षा समिति की सदस्यता नेतन्याहू के गठबंधन द्वारा निलंबित कर दी गई थी, क्योंकि उन्होंने इजराइली रिजर्विस्टों के लिए आपातकालीन कॉल-अप आदेश जारी करने की सरकार की क्षमता का विस्तार करने के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था।अपनी बर्खास्तगी के बाद एक अखबार को दिए साक्षात्कार में हलेवी ने कहा : यह युद्ध एक धोखा है। उन्होंने अपनी उपलब्धियों के बारे में हमसे झूठ बोला है। इजराइल 20 महीनों से लड़ रहा है और वह हमास को नष्ट करने में सफल नहीं हो रहा है।वहीं इजराइल के उदारवादी गठबंधन के नेता यायर गोलान ने इजराइल रेडियो पर दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अगर हम एक समझदार देश की तरह व्यवहार करना नहीं सीखते हैं, तो इजराइल दक्षिण अफ्रीका की तरह एक बहिष्कृत राष्ट्र बनने की डगर पर है।एक समझदार देश नागरिकों के खिलाफ नहीं लड़ता है, बच्चों को नहीं मारता है और आबादियों को अपनी रहने की जगहों से बाहर निकालने का लक्ष्य नहीं रखता है। गोलान- जो खुद गाजा-युद्ध के नायक रह चुके हैं- ने स्पष्ट किया कि वे इजराइली सेना नहीं, उन राजनेताओं को दोष दे रहे हैं, जो युद्ध को ऐसे कारणों से बढ़ा रहे हैं, जिनका राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं। आज किसी भी स्वतंत्र विदेशी पत्रकार को गाजा से सीधे रिपोर्ट करने की अनुमति नहीं दी जा रही है- इजराइली सेना के बिना। जब युद्ध खत्म होगा और गाजा अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों और फोटोग्राफरों से भर जाएगा, तब जाकर वहां से मृत्यु और विनाश की पूरी रिपोर्ट सामने आएंगी। वह इजराइल और यहूदी-समुदाय के लिए बहुत बुरा समय होगा। यही कारण है कि गोलान ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अब रुक जाएं, युद्ध-विराम करें, बंधकों को वापस लाएं, गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय और अरब सेना भेजें और बाद में हमास के अवशेषों से निपटें। उन्होंने कहा, जब आप पहले ही गड्ढे में हों तो और खुदाई करना बंद कर दें। लेकिन नेतन्याहू खुदाई जारी रखने पर अड़े हुए हैं। उनका दावा है कि वे हमास पर दबाव बनाकर इजराइली बंधकों को लौटा ला सकते हैं। वहीं उनके गठबंधन के धुर-राष्ट्रवादी सदस्यों ने भी उनसे कहा है कि अगर वे युद्ध बंद कर देते हैं, तो उनका तख्तापलट कर दिया जाएगा। इसलिए इजराइली सेना अधिक से अधिक सेकंडरी-टारगेट्स पर हमला कर रही है, और नतीजा यह है कि हर दिन नागरिक मारे जा रहे हैं। हारेत्ज के सैन्य विश्लेषक अमोस हारेल ने बताया कि हमास नेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे कई बमबारी अभियान वास्तव में सामूहिक हत्या के प्रयास हैं, अकसर तब, जब वे अपने परिवार के साथ होते हैं। ये अधिकारी अब निजी घरों या अपार्टमेंट इमारतों में नहीं रहते। वे अमूमन हजारों नागरिकों के साथ भीड़ भरे कैंपों में रहते हैं। सेना चाहे जितनी सावधानी बरते, इन हमलों के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की हत्याएं होती हैं। लेकिन इजराइल के लोग गाजा में हताहतों की बढ़ती संख्या के चलते ही युद्ध के खिलाफ नहीं हो रहे हैं। हकीकत यह है कि युद्ध ने पूरे समाज को थका दिया है। इसके संकेत आज आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या से लेकर टूटते परिवारों और ढहते व्यवसायों तक सब तरफ नजर आ रहे हैं।गाजा में भी युद्ध-विरोधी आंदोलन जोर पकड़ता दिख रहा है। फिलिस्तीनी सेंटर फॉर पॉलिसी एंड सर्वे रिसर्च के सर्वे में पाया गया कि गाजा पट्टी के 48फीसदी लोगों ने हाल में कई जगहों पर हुए हमास- विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन किया हैं।

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव का अर्थ है मैं यह काम कर रहा हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्किक ?चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, ?फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

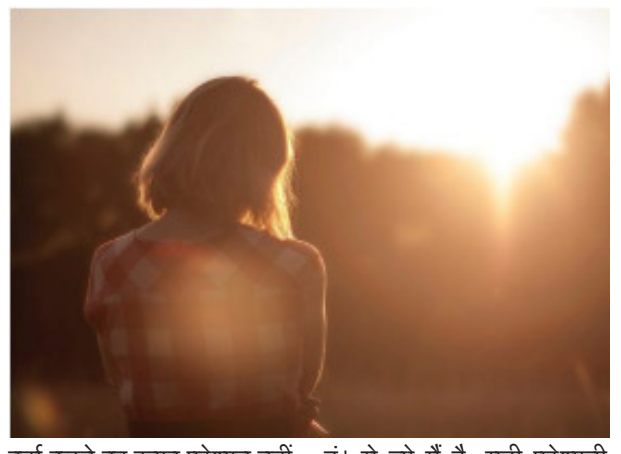

बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई सारी गेंदें और गुब्बारा लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती है, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। यहां उम्र के अनुसार कुछ सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उम्र वालों के लिएः हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलानिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन मानें, यह गेम आज भी मेरे घर पर 10 साल से है और जो बच्चे मेरे घर आते हैं, बिना थके इससे खेले हैं, चाहे फिर वह 10 साल के हों।6 वर्ष उम्र वालों के लिएः कैट एंड रैट थीम वाले कार्ड गेम। मैंने इसे अमेरिका से खरीदा था। बच्चे ताश खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिएः कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में हैं)10 वर्ष उम्र वालों के लिएः नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है। फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

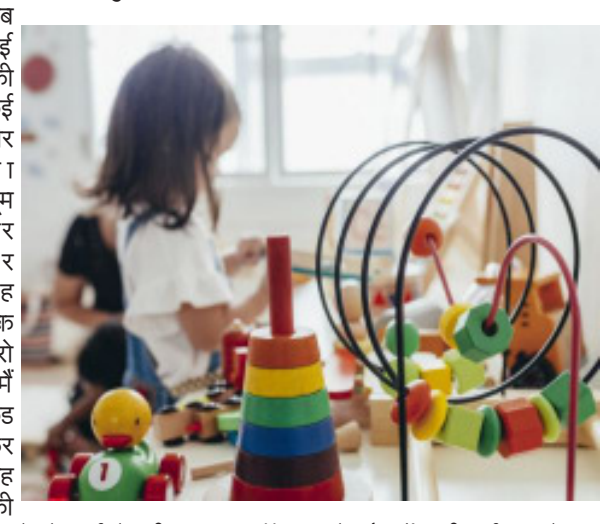

अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के पास दुनिया के दस सबसे बड़े केंद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विट्जरलैंड, जापान, तुर्किये और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन सोना रखा हुआ है। यह अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75 प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। यह अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25 गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक भारतीय महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है। जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम करने के उद्देश्य से आयात शुल्क में 15 से 6 प्रतिशत की कटौती ने 2023-24 में सोने के आयात को 27 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की।2024-25 में भारत का व्यापारिक और सेवा व्यापार में कुल घाटा 94.26 अरब डॉलर था। इसलिए 2024-25 में भारत के आयात में 58.01 अरब डॉलर का सोना भारत के व्यापार घाटे का एक प्रमुख घटक है। वैसे भारत के आयात बिल में सबसे बड़ा घटक कच्चा तेल है, जिसका 2024-25 में 133 अरब डॉलर का योगदान था। सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। सोने के प्रति आकर्षण आर्थिक के साथ ही सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है। चूंकि भारतीय महिलाओं के पास 3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का 24,000 टन से अधिक सोना है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी उन्होंने 58 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित 600 टन सोना खरीदा है, इसलिए सोने की कीमतों में उछाल बने रहने की संभावना है।सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए। लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

'चुपचाप भुगतने दो' की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में किसी को भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलाती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें।

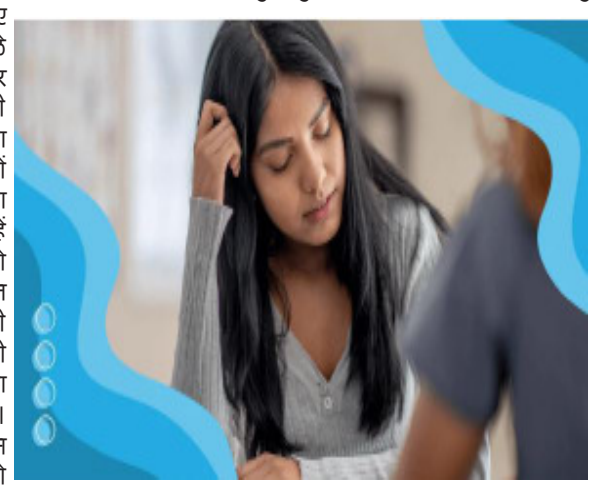

रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, 'शुरू में यह नियम नहीं था। मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलाती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया। 28 दिन प्यार से खिलाओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है। उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और कितना घटिया खाना मिलता है। दो घूंट चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें मेरी कीमत ही इन 3 दिनों में पता चलती है। इसलिए बाकी 28 दिन वे बहुत कायदे में रहते हैं।'यह वाकिया मुझे तब आया, जब मुझे शनिवार की सुबह दैनिक भास्कर के पाठक 70 वर्षीय शारदा और उनके 75 वर्षीय पति सीताराम अग्रवाल का ईमेल मिला। वे रायपुर के तेलीबांधा से हैं। उन्होंने लिखा कि वे सेकोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के समिति सदस्यों की, वहां के रहवासी बिना वजह आलोचना करते हैं। और रहवासी, समिति सदस्यों से ऐसे पेश आते हैं, मानो वे सैलरी पर रखे हुए कोई कर्मचारी हों, जबकि वे लोग तो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।उन्होंने दुखी होकर बताया कि अमूमन सभी हाउसिंग सोसायटी के यही हाल हैं, जहां अगर कॉलेनी में किसी भी सुविधा में कमी या उसका अभाव दिखता है, तो रहवासी आपे से बाहर हो जाते हैं। सीताराम जी ने मेरे साथ फोन पर बातचीत में बताया कि इससे असंतोष बढ़ता है और अच्छे दिल से काम करने वाले वॉलेंटियर भी सामाजिक कामों से खुद को दूर कर लेते हैं।फंडा यह है कि अगर आप चाहते हैं कि ग्राहक आपकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का मूल्य समझें, तो उनकी बात पर कोई प्रतिक्रिया न दें, बस अपनी अनुपस्थिति से उन्हें आपकी प्रतिबद्धता का एहसास कराएं। जब वे चुपचाप भुगतेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की कमी का अनुभव करेंगे, तभी वे आपका सम्मान करेंगे।

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31प्रतिशत तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5प्रतिशत से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12प्रतिशत है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया।2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उल्टे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70प्रतिशत संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है। वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

मोदी के चीन दौरे पर वर्ल्ड मीडिया-सीएनएन ने लिखा- मोदी को रेड कार्पेट वेलकम मिला,NYT ने कहा- ट्रम्प से नाराज जिनपिंग ताकत दिखा रहे

नयी दिल्ली। पीएम मोदी 30 अगस्त को पूरे सात साल बाद चीन पहुंचे हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की मीटिंग से सम्मेलन सिर्फ औपचारिक मुलाकात नहीं है। इसमें मध्य एशिया के 20 से ज्यादा नेता शामिल हो रहे हैं। इसके बाद बीजिंग में चीन अपनी जब अमेरिका ने भारत और चीन दोनों पर ऊंचे टैरिफ लगाए हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ये टैरिफ भारत के निर्यात क्षेत्र को नुकसान

The New York Times

Xi Uses Summit, Parade and History to Flaunt China's Global Pull

With the leaders of Russia and India visiting, China's president will show how he can use statecraft, military might and history to push for global influence.

पहले आज चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। जून 2020 में हुई गलवान झड़प के बाद भारत-चीन के संबंध खराब हो गए थे। अब मोदी के इस दौरे से दोनों देशों के संबंध सुधरने की उम्मीद जताई जा रही है। मोदी के चीन दौरे को दुनियाभर का मीडिया कवर कर रहा है।न्यूयॉर्क टाइम्स ने मोदी, जिनपिंग और पुतिन की तस्वीर के साथ रिपोर्ट में लिखा है कि शी जिनपिंग के लिए इससे बेहतर मौका शायद ही कोई हो सकता था। एक तरफ भारत के मोदी हैं, जिनके देश पर राष्ट्रपति ट्रम्प ने ऊंचे टैरिफ लगाए हैं। दूसरी तरफ रूस के पुतिन हैं, जिन पर ट्रम्प की वजह से ही पश्चिमी देशों के प्रतिबंध कमजोर पड़ते दिख रहे हैं। अखबार लिखता है कि इस पूरे आयोजन के केंद्र में जिनपिंग हैं। वे भारत और अमेरिका के बीच तनाव को अपने लिए अवसर बना रहे हैं और पुतिन के साथ अपने पुराने गठबंधन को और मजबूती दे रहे हैं। यह नई मिसाइलों और युद्धक विमानों की सैन्य परेड भी करेगा। यह सब दर्शाता है कि शी इतिहास, कूटनीति और सेना की ताकत को मिलाकर दुनिया की उस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं जिस पर अब तक अमेरिका का दबदबा रहा है।यह मोदी की सात साल में पहली चीन यात्रा है। मुलाकात से पहले दोनों ने हाथ मिलाया और कैमरों के सामने साथ खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाईं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत और चीन दोनों ही अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित हैं। जिनपिंग ने मोदी से कहा कि भारत और चीन के लिए सबसे सही रास्ता यही है कि वे अच्छे दोस्त और साझेदार बनें। दुनिया के दो सबसे ज्यादा आबादी वाले देश, जो अमेरिका के साथ अपने-अपने मतभेदों की वजह से दबाव झेल रहे हैं, अब एक-दूसरे के करीब आने की संभावना देख रहे हैं।मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, पहुंचा सकते हैं। दूसरी ओर, चीन भी अपनी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अमेरिकी टैरिफ उसके लिए भी चुनौती बने हुए हैं। बीजिंग की वुसावा एडवाइजरी की संस्थापक कियान लियू का कहना है, 'दुनिया का ध्यान अब तक अमेरिका-चीन रिश्तों पर रहा, लेकिन अब भारत और चीन के बीच सहयोग पर ध्यान देना चाहिए।'जिनपिंग के साथ बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि पिछले साल कजान में हमारी बहुत उपयोगी चर्चा हुई थी, जिससे हमारे संबंध बेहतर हुए। मोदी ने कहा, 'हम आपसी सम्मान, विश्वास और संवेदनशीलता के आधार पर अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' सीमा विवाद मोदी ने कहा कि अब यहां शांति का माहौल बना है। साथ ही दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें, जो 2020 से निलंबित थीं, फिर से शुरू की जा रही हैं, लेकिन कोई समय-सीमा नहीं बताई गई।

अल जजीराः एससीओ समिट में अमेरिकी ट्रेड वॉर और भारत-चीन संबंधों पर चर्चा- चीन का शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जनसंख्या के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय समूह है। 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने मिलकर एससीओ की स्थापना की थी। पहले यह समूह मध्य एशियाई मुद्दों पर ध्यान देता था, लेकिन अब यह वैश्विक मामलों पर चर्चा का मंच बन चुका है। यह समिट नेताओं और अधिकारियों के लिए एक मंच है, जहां वे अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं। इस बार समिट पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की व्यापार नीतियों का असर दिख सकता है, क्योंकि कई देशों के साथ उनके व्यापारिक तनाव हैं। समिट में पुतिन, बेलारूस के नेता अलेक्जेंडर लुकाशेंको, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस जैसे नेता शामिल होंगे। भारत-पाकिस्तान, भारत-चीन, सऊदी अरब-ईरान जैसे देशों के बीच पुराने विवाद भी इस समिट में चर्चा का हिस्सा हो सकते हैं। मोदी-जिनपिंग मुलाकात बोली चीन की मीडिया-चीनी सरकारी मीडिया ने प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा को बड़े पैमाने पर कवर किया है। सात साल बाद मोदी की चीन यात्रा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात को उन्होंने बेहद अहम बताया। ग्लोबल टाइम्स ने 'चीन और भारत सहयोगी साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं: शी' हेडलाइन से लेख लिखा है। चीनी सरकारी मीडिया शिन्हुआ ने बताया कि शी ने मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि दोनों देशों को रिश्तों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से देखना चाहिए और इन्हें और मजबूत बनाना चाहिए। शिन्हुआ ने शी के उस बयान को भी खास जगह दी, जिसमें उन्होंने भारत और चीन को 'ग्लोबल साउथ के दो स्तंभ' बताया।

हिमाचल आपदा प्रभावित राज्य घोषित, शिमला में लैंडस्लाइड-4 की मौत:उत्तराखंड चार धाम यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित, हरियाणा में 2.42 लाख एकड़ में फसलों को नुकसान

हिमांचल। उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से हालात खराब हैं। हिमाचल में रविवार से तेज बारिश हो रही है। शिमला के कोटखाई, जुब्बल और जुन्गा में देर रात लैंडस्लाइड से 4 लोगों की मौत हो

गई। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में राज्य को आपदाग्रस्त प्रदेश घोषित किया है। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 5 नेशनल हाईवे और करीब 800 सड़कें बंद पड़ी हैं। कुल्लू समेत 10 जिलों में सोमवार को स्कूल-कॉलेज बंद हैं। उत्तराखंड में केदारनाथ नेशनल हाईवे पर सोमवार को लैंडस्लाइड के बाद दो यात्रियों की मौत और छह लोग घायल हो गए। रेड और ऑरेंज अलर्ट के बाद चार धाम और हेमकुंड साहिब यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लैंडस्लाइड के कारण 12 घर टूट गए। हरियाणा के 6 जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। सिरसा में एक नहर टूटने से 50 एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में अब तक 2.42 लाख एकड़ में फसलों को नुकसान हुआ है। करीब 40 हजार किसान प्रभावित हुए हैं। सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। पंजाब के 9 जिलों फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला में बाढ़ के हालात हैं। अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। भाखड़ा डैम में फ्लड गेट 4-4 फीट तक खोल दिए हैं।हिमाचल के चंबा में मणिमहेश यात्रा पर निकले 4 श्रद्धालुओं के शव मिले हैं। 25

अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है।सोमवार सुबह हथिनीकुंड बैराज से 29,313 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आ गया है। दिल्ली सरकार ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।बागपत के शबगा गांव में यमुना नदी के तेज बहाव में सरकारी नलकूप बह गया। इस नलकूप से करीब 300 बीघा जमीन की सिंचाई होती थी। जिला प्रशासन ने तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।मानसा में देर रात कच्चे मकान की छत गिर गई। इस हादसे में बलजीत सिंह (35) और उनके 10 वर्षीय भतीजे गुरजोत सिंह की मौत हो गई। जालंधर और लुधियाना के कई इलाकों में 4 फीट तक पानी भर चुका है। भाखड़ा डैम के गेट 4 फीट तक खोले गए। अमृतसर के घोनेवाला में धुस्सी बांध टूटने से आसपास का 15 किमी का इलाका बाढ़ की चपेट में आ गया है।रविवार शाम तेज बारिश के बाद बीकानेर के कोटगेट पर खड़ी एक महिला और युवक अचानक बहने लगे। ये लोग खुद को संभालते इतने में स्कूटी और बाइक भी बहने लगी। बमुश्किल दोनों ने किनारे लगी लोहे की रेलिंग पकड़कर जान बचाई।उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने टनकपुर, बनबसा के आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। सीएम ने बाढ़ में फंसे लोगों से मुलाकात की।उत्तराखंड में मौसम विभाग के रेड और ऑरेंज अलर्ट के बाद चार धाम और हेमकुंड साहिब यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित कर दी गई है। गढ़वाल मंडल के आयुक्त और सीएम धामी के सचिव विनय शंकर पांडे ने यह जानकारी दी।20 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से हिमाचल प्रदेश में 320 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें से 166 लोग भूस्खलन, बाढ़, बादल फटने, डूबने, बिजली के झटके और 154 सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए हैं। राज्य में अब तक 3 हजार करोड़ की संपत्ति नष्ट हो गई है। वहीं, सिरमौर जिले के ददाहू में गिरी नदी उफान पर है। लोगों को घर खाली करने के आदेश दिया गया है।गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू के बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने हालात की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और केंद्र व केंद्र शासित प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में बुधल के गुंडी इलाके में लैंडस्लाइड से लगभग 12 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। रियासी जिले में अचानक आई में बाढ़ में मां-बेटा बह गए। डोडा जिले के अस्सार में चिनाब नदी में अचानक बाढ़ आने से आठ लोग बह गए। हालांकि, सबको बचा लिया गया।छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग और इंद्रावती नदी के पास बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा किया।पंजाब के 9 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और सीएम भगवंत मान से बातचीत की। राज्यपाल और सीएम ने गृह मंत्री को मौजूदा हालात और बाढ़ प्रभावित लोगों के बचाव और राहत कार्यों की जानकारी दी। शाह ने आश्वासन दिया कि बाढ़ से निपटने के लिए हर संभव मदद की जाएगी।हरियाणा में यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ सकता है। सोनीपत जिले में गन्नौर से लेकर दिल्ली बॉर्डर तक करीब 30 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें बख्तावरपुर, गढ़ी, मेहंदीपुर, और जैनपुर शामिल हैं। प्रशासन का कहना है कि स्थिति अभी नियंत्रण

में है, लेकिन अगले 24 से 48 घंटों में जलस्तर बढ़ने की संभावना है। प्रशासन ने पहले ही मुनादी करवाकर गांवों के लोगों को अलर्ट कर दिया है।पंजाब में बाढ़ के चलते स्कूलों के साथ अब सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी भी 3 सितंबर तक बंद रहेंगे। पंजाब सरकार ने सोमवार को राज्य भर में लगातार हो रही बारिश के कारण सभी कॉलेज, यूनिवर्सिटी और पॉलिटेक्निक संस्थान बंद रखने का आदेश जारी किया।दिल्ली में सोमवार को भारी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, सुबह और दोपहर के समय गरज के साथ तेज बारिश हो सकती है। शहर में आज सुबह न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 2.8 डिग्री कम है। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।छत्तीसगढ़ में सोमवार को बस्तर, नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। बाकी जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। बिजली गिरने की भी आशंका है। रायपुर समेत कई जिलों में सुबह से बादल छाए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले 3 दिनों में पूरे प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। कई जगहों पर मध्यम से भारी बारिश के आसार हैं।झारखंड में मानसून एक बार फिर से सक्रिय हो सकता है। बंगाल की खाड़ी में 2 सितंबर को एक नया लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इससे पूरे राज्य में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने सभी जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश के साथ 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की आशंका है।हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को रेड अलर्ट है। राज्य के ज्यादातर हिस्सों में रविवार रात से तेज बारिश जारी है। शिमला के कोटखाई में लैंडस्लाइड में एक घर ढहने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। शिमला के जुन्गा में एक मकान गिरने से बाप-बेटी की मौत हो गई। कुल्लू समेत 10 जिलों में आज स्कूल-कॉलेज बंद हैं। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन सहित 4 नेशनल हाईवे और 800 से ज्यादा सड़कें बंद पड़ी हैं.बिहार में शुक्रवार को 25 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। बारिश के साथ 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और बिजली गिरने की भी आशंका है। हालांकि, राज्य में मानसून कमजोर पड़ गया है। पटना समेत प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में रविवार को मौसम शुष्क रहा। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक किसी भी जिले में भारी बारिश की संभावना नहीं है।राजस्थान में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने सोमवार को 27 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। जोधपुर, झुंझुनूं और टोंक में आज स्कूलों की छुट्?टी घोषित की गई है। राज्य में लगातार बरसात के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। हनुमानगढ़ में बाढ़ की आशंका के कारण हेल्थ डिपार्टमेंट के कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल कर दी गई हैं।मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में शुक्रवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज 17 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें भोपाल, देवास, सीहोर, खरगोन, खंडवा और अनूपपुर शामिल हैं। यहां अगले 24 घंटे में 2.5 से 4.5 इंच तक बारिश हो सकती है। इंदौर और उज्जैन में अगले 3 दिन भारी बारिश का अलर्ट है।पंजाब के 9 जिले बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। इनमें फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला शामिल है। बाढ़ से 1312 गांव प्रभावित हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को भी पंजाब में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य में ऊँइ की 11 टीमें और सेना राहत और बचाव कार्यों में जुटी है।

राहुल बोले- हम हाइड्रोजन बम के साथ तैयार:खड़गे का दावा 6 महीने में गिरेगी सरकार

पटना। बिहार में 16 दिन चली राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा आज यानी सोमवार को पटना में खत्म हुई। राहुल ने साढ़े 3 घंटे पटना में वोटर अधिकार मार्च निकाला। गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सुबह 11 बजे मार्च की शुरुआत हुई जो हाईकोर्ट के पास अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण कर खत्म हुई। इससे पहले राहुल-तेजस्वी के मार्च को डाकबंगला चौराहे पर रोक दिया गया। यहां जनसभा हुई। इसके लिए पहले से मंच तैयार था। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, 'एनडीए के लोग वोट चोरी कर जीत रहे। महाराष्ट्र में भी ये वोट चोरी कर जीते। देश ही नहीं, चीन में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर, गद्दी छोड़।' 'वोटर अधिकार यात्रा में बीजेपी के लोग काले झंडे दिखा रहे हैं। बीजेपी के लोग सुन लें, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, वो आ रहा है। वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता लगने वाली है। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी देश को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे।' राहुल गांधी का भाषण जैसे ही खत्म हुआ, कुछ युवक काला झंडा दिखाने लगे। उसके बाद हंगामा शुरू हो गया। पुलिस ने वहां से दो युवक को किसी तरीके से निकाला। दोनों को पुलिस थाने ले गई है। दोनों से पूछताछ चल रही है। वहीं राहुल

गांधी दिल्ली के लिए निकल चुके हैं। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि मोदी सरकार 6 महीने में गिर जाएगी।सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा- 'आज तक लालू यादव इनके आगे झुके नहीं, तेजस्वी भी नहीं झुकेगा। जब लालू जी इनके आडवाणी को गिरफ्तार करवा दिए तो उनका बेटा तेजस्वी FIR से डरने वाला नहीं है। हमारे तो भगवान का ही जन्म जेल में हुआ था।' 'बिहार में जो सरकार चल रही है, यह डबल इंजन की सरकार है, जिसका एक इंजन अपराध और दूसरा भ्रष्टाचार में लगा हुआ है। ये बिहारियों को ठगना चाहते हैं। बिहार उड़ती चिड़िया को हल्दी लगाना जानता है।'कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'पीएम मोदी वोट चोरी के जरिए बिहार में जीतने का प्रयास कर रहे हैं। आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। अगर आप सतर्क नहीं रहेंगे तो ये लोग आपको डुबाएंगे। मैं आपसे यही विनती करूंगा कि आज हम सबको चोर से लड़ना है।' 'यहां पर सरकार की ओर से पुलिस का इंतजाम क्यों नहीं रहा। मैं पूछना चाहता हूं। आप याद रखिए मैं पुलिस को वॉर्निंग नहीं करना चाहता हूं आपके पास बहुत ज्यादा दिन नहीं हैं। जल्द हमारी सरकार आने वाली है। हमारी सरकार में आपको काम करना ही पड़ेगा।' अगर आप लोग सरकार की बातों में आकर हमारे लोगों को साथ धक्का-मुक्की करेंगे तो ये बात ठीक नहीं है। सरकार की बात सुनकर अगर आप यह मीटिंग फेल करने की कोशिश करेंगे तो गलत बात है।'झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन वोटर अधिकार मार्च के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 'एसआईआर की मदद से वोट चोरी किया जा रहा है।' इसके साथ ही मोदी सरकार पर जमकर हमला किया। इस दौरान हेमंत सोरेन भूल गए कि विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन बन चुका है। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को यूपीए का नेतृत्वकर्ता बताया।वोटर अधिकार मार्च में टीएमसी के सांसद यूसुफ पठान, शिवसेना की तरफ से संजय राउत, केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, झारखंड सीएम हेमंत सोरेन, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी शिव कुमार शामिल रहे। इसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नहीं पहुंचीं।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से रोकने की याचिका खारिज,सुप्रीम कोर्ट में सरकार बोली- याचिकाकर्ता इंग्लैंड का, बाहरी नहीं बताएगा कौन सा पेट्रोल इस्तेमाल करें

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज 1 सितंबर को पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने के प्लान को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। इस प्लान के तहत देश में बिकने वाले पेट्रोल में 20फीसदी एथेनॉल मिलाया जा रहा है। 2023 में एथेनॉल मिलाने की शुरुआत की गई थी। सरकार ने 2025-26 तक देश के सभी पेट्रोल पंप्स पर ई-20 पेट्रोल उपलब्ध कराने का टारगेट रखा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने ये फैसला सुनाया। ये याचिका वकील अक्षय मल्होत्रा ने दायर की थी। याचिकाकर्ता के मुताबिक अप्रैल 2023 से पहले भारत में बनी गाड़ियां एथेनॉल मिले पेट्रोल के साथ काम नहीं कर सकतीं। साथ ही बीएस-6 स्टैंडर्ड गाड़ियां भी इसके लिए कंपैटिबल नहीं हैं। इसलिए उपभोक्ताओं को बिना एथेनॉल वाले फ्यूल को चुनने का ऑप्शन मिलना चाहिए। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने सरकार की ओर से कोर्ट में कहा- ये

याचिकाकर्ता इंग्लैंड का निवासी है। कोई बाहरी व्यक्ति हमें बताएगा कि कौन सा पेट्रोल इस्तेमाल करना है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील शादान फरासत ने 2021 की नीति आयोग की एक रिपोर्ट का जिक्र किया, जिसमें पुरानी गाड़ियों- खासकर 2023 से पहले बनी गाड़ियों के लिए एथेनॉल मिक्स पेट्रोल से माइलेज 6फीसदी कम होने की चिंता जताई गई थी। उन्होंने कहा, 'हमें ऑप्शन तो दिया जाए ... हम ई20 के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन कम से कम सप्लायर्स को हमें बताना चाहिए कि कुछ गाड़ियां इसके साथ कम्पैटिबल नहीं हैं। सिर्फ अप्रैल 2023 के बाद बनी गाड़ियां ही ई20 को झेल सकती हैं।' याचिका में ये भी कहा गया है कि 20इ एथेनॉल मिलाने के बावजूद पेट्रोल की कीमत कम नहीं हुई, जिसका फायदा कंज्यूमर्स को नहीं मिल रहा। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अगस्त महीने की शुरुआत में इस मुद्दे पर कहा था कि ई20 फ्यूल से गाड़ियों को कोई नुकसान नहीं होता। मंत्रालय के मुताबिक, लंबे टेस्ट में 1 लाख किलोमीटर तक गाड़ियों को ई20 से चलाया गया और हर 10 हजार किलोमीटर पर चेक किया गया। नतीजा ये निकला कि पावर, टॉर्क और माइलेज में कोई खास फर्क नहीं पड़ा। हालांकि ये माना गया कि नए वाहनों में माइलेज 1-2फीसदी और पुरानी गाड़ियों में 3-6फीसदी तक कम हो सकता है, लेकिन ये 'ड्रास्टिक' नहीं है और इंजन ट्यूनिंग से इसे ठीक किया जा सकता है। पुरानी गाड़ियों को लेकर चिंता जताई जा रही थी कि ई20 से उनके इंजन और पार्ट्स खराब हो सकते हैं, लेकिन मंत्रालय ने साफ किया कि ई20 में कॉरोजन इनहिबिटर्स (जंगरोधी तत्व) डाले गए हैं और बीआईएस और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स के तहत सेफ्टी सुनिश्चित की गई है।अगर पुरानी गाड़ियों में 20000 - 30000 किलोमीटर चलने के बाद रबर पार्ट्स या गास्केट्स बदलने पड़ें, तो ये रूटीन मेंटेनेंस का हिस्सा है और सस्ता भी है।क्या होता है एथेनॉल?- एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जो स्टार्च और शुगर के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में इको-फ्रेंडली फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने के रस से होता है, लेकिन स्टार्च कॉन्टेनिंग मटेरियल्स जैसे मक्का, सड़े आलू, कसावा और सड़ी सब्जियों से भी एथेनॉल तैयार किया जा सकता है। 1जी एथेनॉल : फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल गन्ने के रस, मीठे चुकंदर, सड़े आलू, मीठा ज्वार और मक्का से बनाया जाता है। 2जी एथेनॉल : सेकेंड जनरेशन एथेनॉल सेल्युलोज और लिग्नोसेल्यूलोसिक मटेरियल जैसे- चावल की भूसी, गेहूं की भूसी, कॉर्नकॉब (भुट्टा), बांस और वुडी बायोमास से बनाया जाता है। 3जी बायोफ्यूल : थर्ड जनरेशन बायोफ्यूल को एलगी से बनाया जाएगा। अभी इस पर काम चल रहा है। पेट्रोल-डीजल गाड़ियों से होने वाले एयर पॉल्यूशन को रोकने और फ्यूल के दाम कम करने के लिए दुनियाभर की सरकारें एथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल पर काम कर रही हैं। भारत में भी एथेनॉल को पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इससे गाड़ियों का माइलेज भी बढ़ेगा। देश में 5फीसदी एथेनॉल से प्रयोग शुरू हुआ था जो अब 20फीसदी तक पहुंच चुका है। सरकार अप्रैल के महीने में नेशनल बायो फ्यूल पॉलिसी लागू कर ई-20 (20फीसदी एथेनॉल प्लस 80फीसदी पेट्रोल) से ई-80 (80फीसदी एथेनॉल प्लस 20फीसदी पेट्रोल) पर जाने के लिए प्रोसेस शुरू कर चुकी है। इसके अलावा देश में अप्रैल से सिर्फ फ्लेक्स फ्यूल कंप्लाइंट गाड़ियां ही बेची जा रही हैं। साथ ही पुरानी गाड़ियां एथेनॉल कंप्लाएंट व्हीकल में चेंज की जा सकेंगी, एथेनॉल मिलाने से क्या फायदा है? - पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से पेट्रोल के उपयोग से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। इसके इस्तेमाल से गाड़ियां 35फीसदी कम कार्बन मोनोऑक्साइड का उत्सर्जन करती है। सल्फर डाइऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन का उत्सर्जन भी एथेनॉल कम करता है। एथेनॉल में मौजूद 35फीसदी ऑक्सीजन के चलते ये फ्यूल नाइट्रोजन ऑक्साइड के उत्सर्जन को भी कम करता है। आम आदमी को क्या फायदा : एथेनॉल मिलावट वाले पेट्रोल से चलने वाली गाड़ी पेट्रोल के मुकाबले बहुत कम गर्म होती हैं। एथेनॉल में अल्कोहल जल्दी उड़ जाता है, जिसके चलते इंजन जल्द गर्म नहीं होता है। इसके अलावा ये कच्चे तेल के मुकाबले काफी सस्ता पड़ेगा। इससे भी महंगाई से राहत मिलने की उम्मीद है। किसानों को फायदा : एथेनॉल का इस्तेमाल बढ़ने से किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी क्योंकि एथेनॉल गन्ने, मक्का और कई दूसरी फसलों से बनाया जाता है। चीनी मिलों को कमाई का एक नया जरिया मिलेगा और कमाई बढ़ेगी। एथेनॉल से किसानों को 21 हजार करोड़ रुपए का फायदा हुआ है।

'माँ की ममता और परिवार का मोह मुझे वापस खींच लाया' – अभिनेत्री नंदिनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) विशेष इंटरव्यू- साक्षात्कारकर्ताः सुधांशु शर्मा, रेडियो हेड, आधुनिक

सुधांशु शर्मा रेडियो प्रमुख आधुनिक समाचार

समाचार

प्रश्न 1ः नंदिनी जी, आप साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चमक-धमक छोड़कर अचानक प्रयागराज वापस आ गईं, इसकी वजह क्या रही? उत्तरःजी, हैदराबाद ने मुझे बहुत कुछ दिया – पहचान, मंच और अनुभव। लेकिन माँ की ममता और परिवार का जो अपनापन है, वो कहीं और नहीं मिलता। पापा की तबीयत थोड़ी खराब रहने लगी थी, और माँ भी अकेलापन महसूस कर रही थीं। उस समय अहसास हुआ कि असली सुकून तो अपनों के बीच ही है। **प्रश्न 2ः क्या आपको अपने इस फैसले पर कभी अफसोस हुआ?** उत्तरः नहीं, बिल्कुल नहीं। मैं आज पहले से ज़्यादा संतुष्ट और खुश हूँ। अब मैं प्रयागराज में रहकर एंकरिंग कर रही हूँ, स्थानीय कार्यक्रमों और सोशल मीडिया पर एक्टिव हूँ। लोगों का प्यार और सम्मान मिल रहा है, जो किसी भी बड़ी फिल्म से कम नहीं। **प्रश्न 3ः आपने फिल्मी दुनिया से पूरी तरह दूरी बना ली है?** उत्तरः नहीं, दूरी नहीं – संतुलन बनाया है। अगर कोई अच्छा प्रोजेक्ट आता है जो मेरी प्राथमिकताओं से मेल खाता हो, तो ज़रूर करूंगी। लेकिन अब परिवार पहले है।**प्रश्न 4ः प्रयागराज में अब आपका जीवन कैसा है?** उत्तरः बहुत सुंदर। सुबह माँ के साथ पूजा, फिर बच्चों को पढ़ाना, और फिर अपने एंकरिंग शोज़ की तैयारी। मैं स्थानीय युवाओं को भी ट्रेन कर रही हूँ जो मीडिया में करियर बनाना चाहते हैं। यह एक नया और आत्मिक रूप से संतोषजनक सफर है। **प्रश्न 5ः आप युवा कलाकारों को क्या संदेश देना चाहेंगी?** उत्तरः ख्वाब ज़रूर देखें, उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत भी करें। लेकिन जब भी ज़िंदगी आपको चुनने का मौका दे – शोहरत या परिवार – तो दिल की आवाज़ सुनें। कभी-कभी सादगी में भी बहुत बड़ी खूबसूरती होती है।

नंदिनी अभिनेत्री

अगले महीने शुरू होगी वेब सीरीज 'भानगढ़ की लैला और कनक सुंदरी' की शूटिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुंबई। फेमस एक्ट्रेस और मॉडल शिवानी तनूजा तोमर अगले महीने से अपनी दो वेब सीरीज की शूटिंग शुरू करने जा रही हैं, जिनमें एक खास है 'भानगढ़ की लैला और कनक सुंदरी'। शिवानी इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं, और उन्होंने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया और अपने फैंस को इस बारे में जानकारी दी। इस वेब सीरीज की कहानी को लेकर लेखक और निर्देशक विकास सिंह ने बताया कि यह एक बेहद दिलचस्प और थ्रिलिंग कहानी है, जिसमें रोमांस, सस्पेंस, मर्डर, क्राइम और कॉमेडी सभी तरह के तत्व शामिल होंगे। विकास ने यह भी बताया कि इस सीरीज की खासियत यह होगी कि इसमें मुंबई के कुछ फेमस आर्टिस्ट के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों को भी काम करने का मौका मिलेगा। शिवानी तनूजा तोमर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की और बताया कि हाल ही में वह दुबई में एक मॉडलिंग शूट के लिए गई थीं, जहां उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया। शूटिंग के बाद वह अब भारत लौट आई हैं और अपनी वेब सीरीज की शूटिंग के लिए तैयार हैं। इस सीरीज की कहानी एक ऐतिहासिक जगह, भानगढ़ किले के आस-पास की पृष्ठभूमि में बुनी गई है, जो रोमांचक और रहस्यमय घटनाओं से भरी हुई है। शिवानी इसमें 'लैला' और 'कनक सुंदरी' के किरदार में नजर आएंगी, जो एक साथ मिलकर एक ऐसी जादुई दुनिया का सामना करेंगी, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। इस वेब सीरीज का दर्शकों को इंतजार रहेगा, क्योंकि यह न सिर्फ एक रोमांचक कहानी प्रस्तुत करेगा, बल्कि इसमें कलाकारों की शानदार एक्टिंग और डायलॉग डिलीवरी भी होगी। वेब सीरीज के निर्माता और निर्देशक इस परियोजना को लेकर बहुत आश्वस्त हैं कि यह एक जबरदस्त हिट साबित होगी। शिवानी तनूजा तोमर की इस सीरीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह मनोरंजन की नई ऊँचाइयाँ छुएगी।

'फिल्मों में नया करने का प्रयास कर रही हूँ' – ज़रीन खान से विशेष बातचीत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भूमिका-हाल ही में लखनऊ में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान आधुनिक समाचार की Magazine Head संगीता शर्मा ने बॉलीवुड अभिनेत्री ज़रीन खान से मुलाक़ात की। इस दौरान ज़रीन ने अपने करियर, आने वाले प्रोजेक्ट्स और निजी ज़िंदगी से जुड़े कई पहलुओं पर खुलकर बातचीत की। पेश है इस मुलाक़ात के कुछ खास अंशः- **प्रश्न (संगीता शर्मा)ः ज़रीन जी, लखनऊ आकर कैसा लग रहा है?** उत्तर (ज़रीन खान)ः लखनऊ आकर हमेशा अच्छा लगता है। यहाँ की तहज़ीब, खाना और लोग - सब कुछ बहुत प्यारा है। मुझे यहाँ की गर्मजोशी और अपनापन बहुत पसंद है। **प्रश्नः क्या यह यात्रा किसी खास उद्देश्य से हुई है?** उत्तरः जी हाँ, मैं एक आगामी फिल्म के सिलसिले में यहाँ आई हूँ, जिसकी शूटिंग लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में होगी। साथ ही, एक सामाजिक कार्यक्रम में शिरकत करने का भी मौका मिला। **प्रश्नः आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में कुछ बताएं?** उत्तरः मैं फिलहाल दो प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हूँ। एक वेब सीरीज़ है जो एक थ्रिलर बेस्ड कहानी पर आधारित है, और दूसरा एक फीचर फिल्म है जो महिला केंद्रित विषय पर है। दोनों ही प्रोजेक्ट्स मेरे लिए काफ़ी चुनौतीपूर्ण और खास हैं। **प्रश्नः आपने अपने करियर में काफी विविध भूमिकाएं निभाई हैं। आगे किस तरह की भूमिकाएं करना चाहेंगी?** उत्तरः अब मैं कोशिश कर रही हूँ कि कुछ हटकर और दमदार भूमिकाएं करूं। ऐसी कहानियां जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करें। मेरी प्राथमिकता अब स्क्रिप्ट और किरदार पर है, सिर्फ़ ग्लैमर नहीं। **प्रश्नः ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव को आप कैसे देखती हैं?** उत्तरः ओटीटी ने कलाकारों के लिए बहुत मौके खोले हैं। अब अच्छे कंटेंट को दर्शक सराहते हैं, चाहे वह किसी भी प्लेटफॉर्म पर हो। मुझे भी इस माध्यम पर काम करने में मज़ा आ रहा है। **प्रश्नः निजी ज़िंदगी में क्या नया चल रहा है?** उत्तर (हँसते हुए)ः फिलहाल तो काम ही मेरा फोकस है। जब समय मिलेगा तब निजी ज़िंदगी के बारे में भी सोचूंगी। **प्रश्नः हमारे पाठकों को कोई संदेश देना चाहेंगी?** उत्तरः मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि अपने सपनों का पीछा करते रहिए, मेहनत का फल ज़रूर मिलता है। और हाँ, मेरी आने वाली फिल्मों और सीरीज़ को ज़रूर देखें, आपके प्यार और समर्थन की मुझे हमेशा ज़रूरत है।(संपादन - संगीता शर्मा, Magazine Head, आधुनिक समाचार)

अभिनेत्री ज़रीन खान

क्या आपका हेयरब्रश साफ है?,गंदे ब्रश से हो सकती हैं ये 6 प्रॉब्लम्स, ध्यान रखें डर्मेटोलॉजिस्ट की 9 जरूरी सलाह

नयी दिल्ली। हममें से बहुत से लोग हेयरब्रश को सिर्फ एक टूल मानते हैं, जिसे हर सुबह बाल सुलझाने के लिए उठाते हैं और फिर भूल जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हेयरब्रश हमारे बालों की हेल्थ पर नकारात्मक असर डाल सकता है। दरअसल हेयरब्रश में समय के साथ बैक्टीरिया और गंदगी जमा हो जाती है। इसके अलावा अगर ब्रश पुराना हो, सख्त ब्रिसल्स वाला हो या हम गलत तरीके से ब्रशिंग करते हैं तो यह बालों को कमजोर कर सकता है। ये छोटे-छोटे कारण धीरे-धीरे स्कैल्प, बालों की मजबूती और हेल्थ पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं। हालांकि कुछ आसान उपायों को अपनाकर इन समस्याओं से बचा जा सकता है। परेशानी को समझेंगे और उपाय पर बात करेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. निपुण जैन, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी से सवाल- खराब या गंदे हेयरब्रश के इस्तेमाल से किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- जब हम बालों में कंघी करते हैं तो हेयरब्रश स्कैल्प से डेड स्किन सेल्स, नेचुरल ऑयल और स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स के अवशेष जमा कर लेता है। समय के साथ यह ब्रश बैक्टीरिया और यीस्ट के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बन जाता है। जब हम इसका इस्तेमाल करते हैं तो ये सभी तत्व स्कैल्प पर वापस चले जाते हैं, जिससे जलन, खुजली और अन्य कई समस्याएं हो सकती हैं। गंदे ब्रश पर धूल, तेल और डेड स्किन सेल्स जमा हो जाती हैं। जब इसे बालों में इस्तेमाल किया जाता है तो यह स्कैल्प को इरिटेट करता है, जिससे खुजली और कभी-कभी हल्की जलन हो सकती है।टूटे या खुरदरे ब्रिसल्स वाले ब्रश स्कैल्प पर छोटे कट या घाव बना सकते हैं। इन कट्स में बैक्टीरिया या फंगस प्रवेश कर सकते हैं, जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।हेयरब्रश में जमा तेल और धूल स्कैल्प पर चिपककर धीरे-धीरे डैंड्रफ जैसी मोटी परत बना सकते हैं, जिसे निकलना बहुत मुश्किल होता है।खराब क्वालिटी या गंदे ब्रश का इस्तेमाल संवेदनशील स्कैल्प पर एलर्जी ट्रिगर कर सकता है। इसके लक्षणों में रेडनेस, चकत्ते और खुजली शामिल हैं।खराब या गंदे ब्रश का इस्तेमाल स्कैल्प की ऑयल ग्रंथियों को असंतुलित कर सकता है। इसका असर यह होता है कि कभी स्कैल्प बहुत ऑयली तो कभी बहुत ड्राई महसूस होती है।खराब ब्रश या ज्यादा दबाव के कारण बालों की जड़ों को नुकसान पहुंचता है। इससे हेयर फॉल और ब्रेकेज की समस्या बढ़ जाती है। सवाल- हेयरब्रश की वजह से होने वाली प्रॉब्लम्स से कैसे बचा जा सकता है या किस टाइप के हेयर के लिए कैसा ब्रश चुनना चाहिए? जवाब- इससे बचने के लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जा सकते हैं। डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. निपुण जैन बताते हैं कि हर तरह के बालों के लिए अलग-अलग ब्रश या फिर ऐसे ब्रश लेने चाहिए, जिनके ब्रिसल्स गोल और मुलायम हों, ताकि स्कैल्प पर जलन न हो। मोटे और स्ट्रेट बालों के लिए पैडल ब्रश अच्छा विकल्प है, जो बड़े हिस्से को आसानी से कवर करता है और बालों को स्मूद बनाता है। ब्लो-ड्राई या स्टाइलिंग के लिए राउंड ब्रश का इस्तेमाल करें, जो बालों में वॉल्यूम और शेप लाने में मदद करता है। हेयरब्रशिंग हमेशा हल्के हाथों से करनी चाहिए। गीले बालों पर ब्रश करने से बाल ज्यादा टूटते हैं, इसलिए इन्हें पहले हल्का सूखने दें और फिर चौड़े दांतों वाली कंघी से सुलझाएं। सबसे पहले बालों के सिरों से शुरू करें और धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ें ताकि बाल खिंचें नहीं और टूटने से बचें। ब्रशिंग दिन में एक से दो बार ही पर्याप्त है। बार-बार और जोर से ब्रश करने से स्कैल्प का ऑयल बैलेंस बिगड़ सकता है। हमेशा अपने हेयर टाइप के अनुसार ब्रश चुनें और ब्रशिंग करते समय बहुत दबाव न डालें ताकि स्कैल्प पर खरोंच या जलन न हो।नियमित और सही तरीके से हेयरब्रश की सफाई करना जरूरी है ताकि यह बैक्टीरिया, डेड स्किन सेल्स और गंदगी से मुक्त रहे। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें। सबसे पहले ब्रश से बाल और गंदगी निकालें। अब एक बाउल गुनगुने पानी में माइल्ड शैम्पू या साबुन डालें। ब्रश को पानी में डुबोकर हल्के हाथ से साफ करें।टूथब्रश या कंघी की मदद से ब्रिसल्स के बीच जमा गंदगी हटाएं। ब्रश को साफ पानी से धोकर टॉवल पर उल्टा रखकर सूखने दें। ब्रश को कभी भी गीला या बंद कंटेनर में न रखें, इससे उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं। महीने में कम-से-कम एक बार ब्रश को विनेगर या हाइड्रोजन पेरॉक्साइड जैसे हल्के डिसइन्फेक्टेंट 5-10 मिनट भिगोकर जरूर साफ करें।

ब्रश होते हैं। अगर सही ब्रश चुना जाए तो बाल कम टूटते हैं और स्कैल्प भी हेल्दी रहता है। जैसेकि- पतले और नाजुक बालों के लिए सॉफ्ट, कुशन वाला ब्रश सबसे बेहतर है। इसके लचीले ब्रिसल्स बालों को खींचते नहीं और आसानी से सुलझा देते हैं।घने या घुंघराले बालों के लिए वाइड-टूथ कंघी या डिटैंगलिंग ब्रश सही रहते हैं। ये बालों में फंसते नहीं और फ्रीज को भी कम करते हैं। सेंसिटिव स्कैल्प वालों को नेचुरल बोअर ब्रिसल

पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद करेंगे सोनू सूदःकहा- चाहे सब कुछ दांव पर क्यों न लगाना पड़े, पीछे नहीं हटूंगा; लोगों से जुड़ने की अपील की

मुंबई। कोविड महामारी में लोगों की मदद कर मसीहा बन चुके सोनू सूद ने अब पंजाब बाढ़ से पीड़ित लोगों की मदद की जिम्मेदारी ली है। एक्टर ने हाल ही में एक स्टेटमेंट जारी कर कहा है कि वो पंजाब के जरूरतमंद लोगों की मदद करने की मुहीम में कई लोगों को साथ जोड़ रहे हैं और पीड़ितों तक हर तरह की मदद पहुंचाएंगे। उन्होंने अन्य लोगों से भी मदद के लिए आगे आने की अपील की है। सोनू सूद ने सोमवार को ऑफिशियल एक्स अकाउंट (पहले ट्विटर) पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें वो कह रहे हैं- 'मैं पंजाब के साथ खड़ा हूं। इन भीषण बाढ़ों से प्रभावित कोई भी अकेला नहीं है। हम सब मिलकर हर एक व्यक्ति को दोबारा खड़ा होने में मदद करेंगे। अगर आपको किसी भी तरह की मदद चाहिए, तो बेहिचक संदेश भेजें। हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि आप तक पहुंच सकें और हर संभव सहायता दें। पंजाब मेरी रूह है। चाहे सब कुछ दांव पर क्यों न लगाना पड़े, मैं पीछे नहीं हटूंगा। हम पंजाबी हैं और हम कभी हार नहीं मानते।' जारी किए गए वीडियो में सोनू सूद ने पंजाबी में कहा है, 'मैं कहना चाहता हूं कि पंजाब में बहुत सारी जानें गई हैं। कई जानवर बह गए। हम सबको मिलकर पंजाब को दोबारा खड़ा करना है, जो भी आपसे हो सके, आपके गांव से जो भी मदद मिल सके, प्लीज करें। मैं भी बहुत से लोगों को जोड़ने की कोशिश कर रहा हूं।' सोनू सूद खुद भी पंजाब के मोगा से हैं। सोनू सूद ने कहा है कि जिस भी किसी को जो भी जरूरत हो, वो बेझिझक उन तक पहुंचाएं। साथ ही उन्होंने जनता से भी मदद के लिए आगे आने और पंजाब को दोबारा खड़े करने में मदद करने की अपील की है।बताते चलें कि पंजाब के 9 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें फाजिल्का, फिरोजपुर, कपूरथला, पठानकोट, तरनतारन, होशियारपुर, मोगा, गुरदासपुर और बरनाला शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 1312 गांव बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं।

लखनऊ के खाने की दीवानी हैं पद्मिनी कोल्हापुरे,बोलीं- इतनी वैराइटी कि सालभर रोज बदलकर खाएं, चाट खास पसंद,गाना सुनाया- तुमसे मिलकर, न जाने क्यूं

लखनऊ। गणेश चतुर्थी पर चारों ओर गणपति की धूम है। मुंबई से बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे लखनऊ के एक पंडाल पहुंचीं। यहां वह चौक के गणेश उत्सव में शामिल हुईं। इस इवेंट का आयोजन उत्तर प्रदेश मराठी समाज ने किया। पद्मिनी ने गणपति का पूजन कर आरती उतारी। कोल्हापुरे कार्यक्रम में लगभग डेढ़ घंटे रहीं। इस दौरान उन्होंने दैनिक कहा- लखनऊ के खाने की इतनी वैराइटी हैं कि रोज अलग-अलग खाने आप खा सकते हैं। यहां तो सालभर भी रहना कम पड़ जाए। यहां का चाट मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। पद्मिनी ने कार्यक्रम में लोगों को मराठी में संबोधित भी किया। दर्शकों की डिमांड पर अपनी चर्चित फिल्म 'प्यार झुकता नहीं' का मशहूर गाना 'तुमसे मिलकर न जाने क्यूं और भी कुछ याद आता है.' गुनगुनाया। इसे सुनकर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं।पद्मिनी ने लखनऊ की तारीफ की। कहा- मैं देखकर अचंभित हो गई कि इतनी बड़ी संख्या में मराठी समाज के लोग रहते हैं। हमें आरती के लिए यहां बुलाया गया तो बहुत अच्छा लगा। मुंबई में भी बहुत आरती हमने की, मगर आज पूरी आरती अपने हाथों से की। यह सौभाग्य की बात रही। लखनऊ की धरती पर गणेशजी की आरती करके मैं धन्य हो गई।पद्मिनी ने कहा कि यहां बड़े-बड़े पंडाल सज रहे हैं। लोग मिल रहे हैं। यह बहुत अच्छी बात है। एक-दूसरे के परिवार मिल रहे हैं। संस्कृतियों का मेल-मिलाप हो रहा है। लखनऊ में खाने में इतनी वैराइटी है कि सालभर भी रहो तो कम है। मुझे यहां की चाट पसंद है। मैं जब भी लखनऊ आती हूं तो यहां के लजीज खाने का लुत्फ उठाती हूं। कबाब बिरयानी सब कुछ हमारे लिए यहां पर आ जाता है। यह भी बहुत अच्छी बात है कि यूपी गवर्नमेंट इस त्योहार को खूब सपोर्ट कर रही है जिससे बड़े स्तर पर गणेश उत्सव का आयोजन हो रहा है।गणेशोत्सव के संयोजक व मराठी समाज के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुमार पाटिल ने कहा कि यह 40वां गणेश उत्सव है। चौक चौराहे से इसकी शुरुआत हुई थी और अब इस बड़े लॉन में हो रहा है। इससे पहले तत्कालीन राज्यपाल राम नायक हर वर्ष हमारे इस कार्यक्रम में शामिल होते रहे हैं। पद्मिनी कोल्हापुरे को जब इस बारे में जानकारी मिली उन्होंने स्वयं इस कार्यक्रम में शामिल होने की इच्छा जताई। इस गणेश उत्सव के माध्यम से दो राज्यों के लोग मिल रहे हैं और दो संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है।

पिता के खिलाफ चुनाव प्रचार करने वाले थे संजय,बोले- भूल गया था पिता कांग्रेस में थे

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी और संजय दत्त हाल ही कपिल शर्मा के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में शामिल हुए। शो का प्रोमो रिलीज किया गया है, जिसमें दोनों जमकर मस्ती करते और एक-दूसरे की पोल खोलते नजर आ रहे हैं। सुनील शेट्टी ने शो में संजय दत्त से जुड़ा एक किस्सा सुनाया, जिसमें वो अपने ही पिता सुनील दत्त के खिलाफ चुनाव प्रचार करने वाले थे। प्रोमो में दिखता है कि सुनील पहले संजय दत्त के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए कहते हैं- 'इनके साथ शूटिंग करना यानी 8-8:30 बजे मैं भाग जाता हूं। हैदराबाद में ताज का दरवाजा तोड़ दिया था।' जवाब में संजय कहते हैं- 'तो फिर 8 बजे क्यों सो रहे थे?' सुनील ने यह भी बताया कि संजय में अभी भी बचपना है और जब भी वह आसपास होते हैं तो कुछ न कुछ गड़बड़ हो ही जाती है। उन्होंने बताया कि एक बार संजय भूल गए थे कि उनके पिता और एक्टर सुनील दत्त कांग्रेस में थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।